फाल्गुन कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 202 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 17-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नदियां धरती माता की धमनी हैं जो सूख रहीं : योगी आदित्यनाथ

6 एआई की सौगात : संभावनाएं और चुनौतियां

7 विक्रांत मैसी ने बच्चों को दिया क्रिएटिविटी विद पॉजिटिविटी का मंत्र

फर्स्ट टेक

850 करोड़ की पोंजी स्कीम में दो गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। 'फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग प्लेटफॉर्म' से जुड़ी 850 करोड़ रुपए की पोंजी स्कीम के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साइबराबाद पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अमरदीप कुमार, आर्यन सिंह और योगेंद्र सिंह अभी फरार हैं। उन्होंने 'इनवॉइस डिस्काउंटिंग' की आड़ में निवेशकों को 11-22% तक सालाना मुनाफे का लालच देकर ठगा। आरोपियों ने एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट बनाकर निवेशकों को प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ने का दावा किया, लेकिन असल में फर्जी सौदे किए। इस स्कीम में 1,700 करोड़ रुपए जमा हुए, जिसमें से 850 करोड़ की राशि निवेशकों को नहीं लौटाई गई। ईओडब्ल्यू ने 15 फरवरी को 'फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग प्लेटफॉर्म' के बिजनेस हेड पवन कुमार और निदेशक काव्या एन को गिरफ्तार किया। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

तेलंगाना साइबर पुलिस की कार्रवाई

महाकुंभ में 33 दिनों तक रुद्री पाठ का रिकॉर्ड

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के दिव्य ज्योति वेद मंदिर ने महाकुंभ में लगातार 33 दिनों तक रुद्री पाठ कर एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में जगह बनाई। संस्थान की प्रभारी साध्वी दीपा भारती के अनुसार, यह पाठ 14 जनवरी को तड़के तीन बजे शुरू होकर 16 फरवरी को सुबह चार बजे संपन्न हुआ। 566 वेदपाठियों ने शुक्ल यजुर्वेद से 11,151 बार रुद्राष्टाध्यायी संहिता (रुद्री पाठ) का उच्चारण किया, जिसमें कुल 26,42,409 मंत्रों का जाप 794 घंटे तक हुआ। रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने संस्थान के अध्यक्ष स्वामी आदित्यानंद और सचिव स्वामी नरेंद्रानंद को सौंपा।

ऑस्ट्रिया चाकू हमला: इस्लामी आतंकवाद से प्रेरित था संदिग्ध

वियना/एपी। ऑस्ट्रियाई अधिकारियों ने कहा है कि राहगीरों पर चाकू से हमला करने वाला संदिग्ध ''इस्लामी आतंकवाद'' से प्रेरित था। इस हमले में 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। 23 वर्षीय सीरियाई संदिग्ध को शनिवार को दक्षिणी शहर विलाच में गिरफ्तार किया गया। गृह मंत्री गेरहार्ड कार्नर ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि संदिग्ध का आतंकी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' से संबंध था और वह ऑनलाइन सामग्री के जरिए तेजी से कट्टरपंथ की ओर बढ़ा।

17-02-2025 सूर्यास्त 6:15 बजे | 18-02-2025 सूर्योदय 6:30 बजे

BSE	NSE
75,939.21	22,929.25
(-199.76)	(-102.15)

सोना	चांदी
8,975 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

यादगार कुंभ

मिला पुण्य के साथ में,
अकाल मृत्यु अवसाद।
आगजनी भगदड़ मची,
और वाद-प्रतिवाद।
मारपीट के संग में,
हुए सुखद संवाद।
अगले बारह वर्ष तक,
कुंभ रहेगा याद।।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जांच के आदेश: रेलवे ने हादसे की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं, और पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

इस्तीफे की मांग: कांग्रेस ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की है, और कहा कि यदि वे इस्तीफा नहीं देते तो उन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब भारी भीड़ महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में सवार होने के लिए स्टेशन पर उमड़ पड़ी। अव्यवस्था, प्लेटफॉर्म पर भीड़ का अत्यधिक दबाव और अंतिम समय में प्लेटफॉर्म बदलाव की घोषणा से यात्री घबरा गए, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ।

रेलवे और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत कई नेताओं ने घटना पर शोक जताया है। विपक्ष ने सरकार की आलोचना करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की है।

कैसे मची भगदड़?

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रयागराज (जहां महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है) जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए लोग जल्दबाजी में थे, तभी कुछ यात्री 'फुटओवर ब्रिज' से उतरते समय फिसल गए और अन्य लोगों पर गिर गए। इससे अचानक अफरा-तफरी मच गई।

उत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने बताया कि पटना जाने वाली मगध एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर और नई दिल्ली-जम्मू उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 15 पर खड़ी थी।

गलत घोषणा और अव्यवस्था बनी वजह

सूत्रों ने बताया कि ट्रेनें देरी से चल रही थीं, और हर घंटे 1,500 से अधिक 'जनरल' टिकटों की बिक्री से स्थिति और बिगड़ गई।

अधिकारियों के अनुसार, प्लेटफॉर्म बदलाव की संभावित गलत घोषणा से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे भगदड़ मची। घबराए यात्री प्लेटफॉर्म 16 की ओर भागे, जहां 'एस्केलेटर' भीड़ का दबाव सहन नहीं कर सका और हादसा हो गया।

जांच के लिए समिति गठित

रेलवे ने घटना की जांच के लिए समिति गठित की है, जिसमें उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक नरसिंह देव और प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पंकज गंगवार को शामिल किया गया है।

रेलवे ने मारे गए लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों को 1 लाख रुपए दिए जाएंगे।

रेलवे कर्मचारी ने बताया कि भगदड़ के बाद प्लेटफॉर्म पर जूते, बैग और अन्य सामान बिखरे पड़े थे। ''हर जगह सामान बिखरा पड़ा थाचप्पल, आधा खाया हुआ खाना और यहां तक कि एक बच्चे का स्कूल बैग भी था।''

लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में शोकाकुल परिजन अपनों की तलाश में भटकते दिखे। 12 वर्षीय बेटे को खोज रहे एक व्यक्ति की आंखें तब नम हो गईं जब उसे प्लेटफॉर्म से मिले सामान में बेटे का नीला बैग दिखा।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ और इस्तीफे की मांग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की खबर से व्यथित हूँ। मेरी संवेदनाएँ शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रशासन घायलों को हर संभव सहायता दे रहा है।''

वहीं, विपक्ष ने रेलवे प्रशासन की नाकामी पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने कहा कि ''सरकार सच्चाई छिपा रही है, यह रेलवे की विफलता का एक और प्रमाण है।'' आम आदमी पार्टी ने इसे ''घोर कुप्रबंधन'' बताया।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि ''रेलवे स्टेशन पर हुई इस भयावह घटना की पूरी जिम्मेदारी रेल मंत्री की है और उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। अगर वे इस्तीफा नहीं देते, तो उन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए।''

उन्होंने आरोप लगाया कि ''रेलवे प्रशासन को पहले से पता था कि हर घंटे 1500 से अधिक टिकट बेचे जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भीड़ प्रबंधन के कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए।''

दिल्ली पुलिस की जांच शुरू

दिल्ली पुलिस ने भगदड़ की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। पुलिस उपायुक्त ने कहा, ''हम भगदड़ के सही कारण की जांच कर रहे हैं और स्टेशन की घोषणाओं के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।''

रेलवे प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा बढ़ाई जा रही है और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जाएंगे।

हिंदू समाज जिम्मेदार समाज, एकता से होगा राष्ट्र मजबूत : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्धमान (पश्चिम बंगाल)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए इसे देश का जिम्मेदार समुदाय बताया, जो एकता को विविधता का मूर्त रूप मानते हैं।

बर्धमान के एसएआई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, लोग अकसर पूछते हैं कि हम केवल हिंदू समाज पर ही ध्यान क्यों देते हैं, और मेरा जवाब है कि देश का जिम्मेदार समाज हिंदू समाज है।

भागवत ने कहा, आज कोई विशेष कार्यक्रम नहीं है। जो लोग संघ के बारे में नहीं जानते, वे अकसर सवाल करते हैं कि संघ क्या चाहता है। अगर मुझे जवाब देना होता, तो मैं कहता कि संघ हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है, क्योंकि यह देश का जिम्मेदार समाज है। उन्होंने विश्व की विविधता को स्वीकार करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारतवर्ष केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं है; इसका आकार समय के साथ बढ़ या घट सकता है। इसकी एक अद्वितीय प्रकृति है। भारत का अपना अंतर्निहित चरित्र है। जिन लोगों को लगा कि वे इस प्रकृति के साथ सामंजस्य में नहीं रह सकते, उन्होंने अपने अलग देश बना लिए। उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से, जो लोग बचे रहे, वे चाहते थे कि भारत का मूलतत्व बचा रहे। और मूलतत्व क्या है? यह 15 अगस्त, 1947 से भी अधिक पुराना है। यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को अपनाकर फलता-फूलता है। यह प्रकृति दुनिया की विविधताओं को स्वीकार करती है और उनके साथ आगे बढ़ती है। एक शाश्वत सत्य है जो कभी नहीं बदलता।

अमेरिका ने भारत समेत कई देशों के अनुदान में कटौती की

एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने कटौती की घोषणा की

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने भारत सहित कई देशों के लिए प्रस्तावित अनुदान में कटौती की घोषणा की है। इस कटौती में भारत में चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्धारित 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान भी शामिल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित इस विभाग ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि 48.6 करोड़ डॉलर के कई अंतरराष्ट्रीय अनुदान रद्द कर दिए गए हैं। विभाग ने सूची जारी कर बताया कि यह कटौती कई देशों के विकास और प्रशासनिक सुधार से जुड़े अनुदानों पर लागू होगी। भारत में चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर, मोल्दोवा में समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया को मज़बूत करने के लिए 2.2 करोड़ डॉलर, बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य सुधारने के लिए 2.9 करोड़ डॉलर, नेपाल में राजकोषीय संघवाद के लिए 2 करोड़ डॉलर और जैव विविधता संरक्षण के लिए 1.9 करोड़ डॉलर, मोज़ाम्बिक में स्वैच्छिक चिकित्सा पुरुष खतना कार्यक्रम के लिए 1 करोड़ डॉलर, कंबोडिया में स्वतंत्र आवाजों को मज़बूत करने के लिए 23 लाख डॉलर, सर्बिया में सार्वजनिक खरीद में सुधार के लिए 1.4 करोड़ डॉलर, एशिया क्षेत्र में शिक्षा सुधार के लिए 4.7 करोड़ डॉलर और लैंगिक समानता व महिला सशक्तिकरण केंद्र के लिए 4 करोड़ डॉलर के अनुदान को समाप्त कर दिया गया है।

मणिपुर में दो दिन में 11 उग्रवादी गिरफ्तार : पुलिस

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने पिछले दो दिन में 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कुकी नेशनल आर्मी (केएनए) के सात संदिग्ध काडर भी शामिल हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 'केएनए काडर' को शुक्रवार को चुराचांदपुर जिले के पुराने खाउकुअल इलाके से गिरफ्तार किया गया। केएनए उस समझौते का हस्ताक्षरकर्ता है, जिस पर 2008 में यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) और कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ), केंद्रीय गृह मंत्रालय तथा मणिपुर सरकार ने हस्ताक्षर किए थे। मणिपुर सरकार मार्च 2023 में इस समझौते से हट गई थी। पुलिस ने बताया कि शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले के हुइकाप गांव में एक अन्य अभियान में प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी समूह) के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इनके पास से दो एके-47 राइफल, पिस्तौल, गोला-बारूद आदि बरामद किया गया।

मप की नई लॉजिस्टिक्स नीति आपूर्ति दक्षता में सुधार लाएगी : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि प्रदेश सरकार की नई लॉजिस्टिक्स नीति राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और आगामी वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) में निवेशकों को आकर्षित करेगी। 'इन्वेस्ट मध्य प्रदेश - वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन' भोपाल में 24 और 25 फरवरी को निर्धारित है।

यादव ने लॉजिस्टिक्स नीति की विभिन्न विशेषताओं जैसे रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी), हरित कार्ड योजना, हरित औद्योगिकीकरण आदि को सूचीबद्ध किया। यादव के अनुसार, हाल ही में शुरू की गई लॉजिस्टिक्स नीति की नवीनताएं लागत को कम करके आपूर्ति दक्षता में सुधार लाएंगी। उन्होंने कहा, नीति का उद्देश्य कुशल, विश्वसनीय और रणनीतिक रूप से टिकाऊ विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचा विकसित करना है ताकि 2030 तक लागत को वैश्विक मानकों तक कम किया जा सके।

यादव ने कहा कि यह नीति मप्र को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए आकर्षक गंतव्य बनाएगी। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश लॉजिस्टिक्स नीति-2025 समग्र आर्थिक वृद्धि की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। यह आने वाले वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन्होंने कहा, ई-डिलीवरी ऑर्डर पीसीएस वन प्रणाली से शुरू किए जाएंगे, जिससे लॉजिस्टिक्स प्रक्रियाएं अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी हो जाएंगी। यादव ने कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के लिए समर्पित प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) जैसे प्रौद्योगिकी नवाचारों से सुरक्षा बढ़ेगी और माल की आवाजाही में तेजी आएगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि 'यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म' को शामिल करने से लॉजिस्टिक्स आपूर्ति शृंखला में जानकारी का आदान-प्रदान सरल और तेज हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नीति में हरित कार्ड योजना भी शामिल है, जो उन लॉजिस्टिक्स संचालकों को त्वरित स्वीकृति प्रदान करती है जो हरित परिवहन को अपनाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतर्देशीय और अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स परिवहन के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 20 से अधिक माल ढुलाई टर्मिनल विकसित कर रही है।

यादव ने कहा, ये टर्मिनल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे, जिससे माल ढुलाई में सुविधा होगी। परिवहन लागत कम होने से कारोबारियों का मुनाफा बढ़ेगा और राज्य में अधिक निवेश आकर्षित होगा। उन्होंने कहा कि निर्यात पार्क विकसित करने के प्रावधान नीति में शामिल किए गए हैं और इन पार्कों के विकासकर्ता को स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क पर 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति मिलेगी, साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 40 करोड़ रुपए या प्रति एकड़ 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता भी मिलेगी।

यादव ने कहा कि निर्यातकों के लिए साझा प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए परियोजना लागत का 25 प्रतिशत या अधिकतम 25 करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

केजरीवाल के 'शीशमहल' का विस्तार किए जाने के आरोपों की जांच होगी : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को दिल्ली के छह फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले के विस्तार के लिए संपत्तियों के कथित विलय और इसकी साज-सज्जा पर हुए खर्च की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। भाजपा ने कथित भ्रष्टाचार के कारण इस बंगले को ''शीशमहल'' करार दिया है। इसमें अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में 2015 से पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह तक रहे थे।

आम आदमी पार्टी(आप) ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा से अपनी 'नकारात्मक राजनीति' छोड़ने और दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। सीवीसी ने भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता की दो पिछली शिकायतों और सीपीडब्ल्यूडी की तथ्यात्मक रिपोर्टों का संज्ञान लिया है और उसके आधार पर अब विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। रोहिणी से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 14 अक्टूबर 2024 को सीवीसी को की गई उनकी पहली शिकायत में आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल ने 40,000 वर्ग यार्ड (आठ एकड़) जमीन पर एक भव्य महल के निर्माण के लिए भवन नियमों का उल्लंघन किया। गुप्ता ने आरोप लगाया कि राजपुर रोड पर भूखंड संख्या 45 और 47 (पहले 'टाइप-फाइव' फ्लैट में वरिष्ठ अधिकारियों और न्यायाधीशों के आवास थे) तथा दो बंगलों (8-ए और 8-बी, फ्लैग स्टाफ रोड) समेत सरकारी संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया और नए आवास में मिला दिया गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान मानदंडों का उल्लंघन किया गया और उचित अनुमोदन नहीं लिया गया।

सीआरपीएफ ने छत्तीसगढ़ के माओवादियों के गढ़ में नया अभियान शिविर स्थापित किया

रायपुर/नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर में माओवादियों के दबदबे वाले क्षेत्र में एक नया अभियान शिविर स्थापित किया है। राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से सीआरपीएफ ने यह शिविर स्थापित किया है।

अधिकारियों ने कहा कि 13 फरवरी को बल की 196वीं और 205वीं कोबरा बटालियन ने क्षेत्र में और उसके आसपास तैनात अर्धसैनिक बल की विभिन्न अन्य इकाइयों की सहायता से बीजापुर जिले के 'पुजारी कांकेर' में अग्रिम अभियान शिविर स्थापित किया। अधिकारियों ने कहा कि अग्रिम अभियान शिविर (एफओबी) जिस सुदूर क्षेत्र में स्थापित किया गया है, वह पहाड़ियों से घिरा हुआ है और वहां दक्षिण व पश्चिम बस्तर डिविजनों के माओवादियों के प्रशिक्षण शिविर, हथियार व गोला-बारूद ठिकाने और राशन इकाइयां हैं।

प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेत्री व फिल्म निर्माता कृष्णवेणी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेत्री एवं फिल्म निर्माता सी कृष्णवेणी का रविवार को निधन हो गया। वह 100 वर्ष की थीं। 'मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' (एमएए) के उपाध्यक्ष मदाला रवि ने यह जानकारी दी। मदाला रवि ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों के कारण उनका निधन हुआ। उनके परिवार में एक बेटी है।

आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में जन्मीं कृष्णवेणी ने वर्ष 1938 में फिल्म 'काचा देवयानी' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था और उन्होंने 40 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। पूर्व मुख्यमंत्री और बेजोड़ अभिनेता रहे एन टी रामा राव (एनटीआर) को फिल्म 'माना देसम' से वही फिल्म जगत में लाई थीं। इस फिल्म में कृष्णवेणी ने भी अभिनय किया था। उन्होंने भीष्म और दक्ष यज्ञम सहित करीब एक दर्जन फिल्मों का निर्माण भी किया। फिल्म जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें 2004 में रघुपति वेंकैया पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कृष्णवेणी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, अभिनेत्री और फिल्म निर्माता कृष्णवेणी के निधन से दुखी हूं। मैं भगवान से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने 'माना देसम' फिल्म के जरिए एनटीआर को फिल्म जगत में लाकर कला के क्षेत्र में जो योगदान दिया, वह अविस्मरणीय है। मैं उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

जापानी कंपनियां की 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत पर नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोविड-19 महामारी के बाद जापानी कंपनियां भारत को अपने एक आधार के रूप में देख रही हैं, क्योंकि वे चीन पर निर्भरता कम करने के लिए अपने विनिर्माण और आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने के लिए 'चीन प्लस वन' रणनीति अपना रही हैं। वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट के विशेषज्ञों ने यह कहा है।

इस रणनीति में वैकल्पिक देशों में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करना शामिल है, जिसमें भारत एक महत्वपूर्ण लाभार्थी के रूप में उभर रहा है। डेलॉयट जापान के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) केनिची किमुरा ने कहा, कोविड के बाद, जापानी कंपनियां 'चीन-प्लस' आपूर्ति शृंखला रणनीतियों की सक्रियता से खोज कर रही हैं, जिसमें भारत एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। जहां कुछ कंपनियां जापान लौट गईं, वहीं अन्य भारत को न केवल एक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही हैं, बल्कि इसे पश्चिम एशिया और अफ्रीका जैसे उच्च-वृद्धि वाले बाजारों के प्रवेश द्वार के रूप में भी देख रही हैं। यद्यपि भारत के घरेलू बाजार का विशाल आकार एक प्रमुख आकर्षण है, वहीं भारत को और भी अधिक आकर्षक बनाने वाली बात यह है कि इन क्षेत्रों में इसका सुस्थापित व्यापार और प्रतिभा नेटवर्क है। किमुरा ने कहा, जहां जापानी व्यवसायों को अब भी इस क्षमता का पूरी तरह से दोहन करना बाकी है, हम भारत को न केवल एक बाजार के रूप में देखते हैं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आपूर्ति शृंखला केंद्र के रूप में देखते हैं जो क्षेत्रीय और वैश्विक सफलता को आगे बढ़ा सकता है।

अंतरधार्मिक विवाह में कुछ गलत नहीं, धोखाधड़ी से होने वाले विवाहों को रोकने की जरूरत : फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि अंतरधार्मिक विवाह में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन धोखाधड़ी और गलत पहचान के जरिए होने वाले वैवाहिक संबंधों के खिलाफ कदम उठाए जाने की जरूरत है। फडणवीस ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और केरल उच्च न्यायालय ने लव जिहाद की वास्तविकता के बारे में टिप्पणियां की हैं। फडणवीस राज्य सरकार द्वारा जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों के खिलाफ एक नए कानून के कानूनी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए समिति गठित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा से कारोबारी भरोसा बढ़ा: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत की घोषणा से दोनों देशों में कारोबारी विश्वास बढ़ा है। इससे उनकी प्रतिस्पर्धी करने की ताकत का लाभ उठाकर आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने तथा 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की घोषणा की। गोयल ने कहा, प्रधानमंत्री अपने साथ इस वर्ष के अंत तक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए एक समझौता या सहमति लेकर आए हैं। मुझे लगता है, यह अमेरिका और भारत में हर व्यवसायी को बहुत आत्मविश्वास और राहत देता है, जो मानते हैं कि साथ मिलकर, हम वास्तव में वैश्विक व्यापार को बदल सकते हैं, विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिस्पर्धी शक्तियों के साथ, हम वास्तव में दो दोस्तों के रूप में, प्रगति और समृद्धि के लिए दो भागीदारों के रूप में काम कर सकते हैं। आमतौर पर एफटीए में, दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार वाले उत्पादों की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो समाप्त कर देते हैं या काफी कम कर देते हैं। इसके अलावा, वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को भी सुगम बनाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों ने एक छोटे व्यापार समझौते पर चर्चा की थी, लेकिन जो बाइडन प्रशासन ने इसे टाल दिया था क्योंकि वह इस तरह के समझौतों के पक्ष में नहीं थे। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईएफटीए ब्लॉक सहित विकसित देशों के साथ नए व्यापार समझौतों के माध्यम से दुनियाभर में नई साझेदारियों का विस्तार और निर्माण कर रहा है।

अमेरिकी विमान अमृतसर उतरा: निर्वासित ने बेड़ियां पहनाए जाने का दावा किया, हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा और एक निर्वासित व्यक्ति ने दावा किया कि यात्रा के दौरान निर्वासितों को हथकड़ियां पहनाई गईं और उनके पैरों में जंजीरें डाली गईं। सूत्रों ने बताया कि विमान रात 10 बजे के अपेक्षित समय के बजाय रात 11 बजकर 35 मिनट पर हवाई अड्डे पर उतरा।

यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा पांच फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 157 निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के 16 फरवरी को भारत पहुंचने की संभावना है। पंजाब के रहने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

इस बीच, अमेरिका द्वारा निर्वासित किए गए अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल पटियाला जिले के राजपुरा के दो युवकों को हत्या के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नानक सिंह ने अमृतसर हवाई अड्डे से आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि आरोपी संदीप सिंह उर्फ सनी और प्रदीप सिंह 2023 में दर्ज किए गए हत्या के एक मामले में वांछित थे। संदीप और चार अन्य के खिलाफ जून 2023 में राजपुरा में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान संदीप के एक अन्य साथी प्रदीप का नाम प्राथमिकी में जोड़ा गया था। दोनों को गिरफ्तार करने के लिए राजपुरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम शनिवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर भेजी गई थी। अवैध प्रवासियों के पहले जत्थे को पांच फरवरी को निर्वासित किया गया था। कई लोगों ने कहा था कि वे अपने परिवारों के लिए बेहतर जीवन की खातिर अमेरिका जाना चाहते थे लेकिन उनके एजेंट ने उन्हें धोखा दिया। हालांकि, उनके सपने तब टूट गए जब उन्हें अमेरिकी सीमा पर पकड़ लिया गया और बेड़ियों में जकड़कर वापस भेज दिया गया।

निर्वासित लोगों के परिजनों ने बताया कि उन्होंने कृषि भूमि और मवेशियों को गिरवी रखकर धन जुटाया ताकि उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए विदेश भेजा जा सके। सूत्रों के मुताबिक, दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से आठ, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो तथा हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल है। सूत्रों के अनुसार, अधिकतर निर्वासित लोग 18 से 30 वर्ष की आयु के हैं।

अमेरिका से शनिवार रात अमृतसर भेजे गए निर्वासितों में शामिल दलजीत सिंह ने रविवार को दावा किया कि यात्रा के दौरान उन्हें हथकड़ियां पहनाई गईं और उनके पैरों में जंजीरें डाली गईं। सिंह ने होशियारपुर में संवाददाताओं से कहा, हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी भी थी। पंजाब के होशियारपुर जिले के कुराला कलां गांव का मूल निवासी सिंह उन 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल है जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। पिछली बार भी निर्वासित लोगों ने दावा किया था कि उन्हें बेड़ियां पहनाई गई थीं।

सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उसे 'डंकी' (अवैध) मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल अवैध प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। सिंह की पत्नी कमलप्रीत कौर ने आरोप लगाया कि उसके पति को 'ट्रैवल एजेंट' ने धोखा दिया। उसने कहा कि 'ट्रैवल एजेंट' ने सिंह को सीधी उड़ान से अमेरिका ले जाने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय उसे अवैध तरीके से ले गया।

एम्स ने 'सर्जिकल रोबोट' के साथ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी हासिल की

नई दिल्ली/भाषा। अहुयीखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली ने अपने शल्य चिकित्सा विभाग में अत्याधुनिक 'सर्जिकल रोबोट' तैनात किया है। इसके साथ ही यह देश के किसी सरकारी अस्पताल में ऐसी पहली सामान्य सर्जरी इकाई बन गई है, जिसने ऐसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी हासिल की है।

एम्स में सर्जरी के प्रोफेसर डॉ. हेमांग भट्टाचार्य ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत रोगी देखभाल को बेहतर बनाने, जटिल प्रक्रियाओं को बेजोड़ सटीकता के साथ निष्पादित करने और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में वैश्विक प्रगति के साथ तालमेल रखने की एम्स की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा, सामान्य सर्जरी विभाग में रोबोटिक सर्जरी को शामिल करने की पहल, सरकारी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल के मानक को बढ़ाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। सर्जिकल रोबोट शल्य चिकित्सा क्षेत्र का विस्तृत, त्रि-आयामी दृश्य प्रदान करता है तथा रोबोटिक भुजाओं के माध्यम से अद्वितीय निपुणता प्रदान करता है, जिससे शल्य चिकित्सक जटिल प्रक्रियाओं को सटीकता के साथ करने में सक्षम होते हैं। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, जटिल कोलोरेक्टल सर्जरी, एसोफैजेक्टोमी और अग्नाशय की सर्जरी, जो अपनी जटिल प्रकृति के कारण पारंपरिक रूप से चुनौतीपूर्ण थीं, अब कम जटिलता के साथ की जा सकेगी जिससे लोग तेजी से ठीक होंगे।

मांडविया ने युवाओं से साइकिल का उपयोग आवागमन के विकल्प के रूप में करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को देश के युवाओं से आग्रह किया कि वे स्वस्थ रहने और बेहतर पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए जब भी संभव हो साइकिल का उपयोग आवागमन के विकल्प के रूप में करें।

मांडविया ने रविवार सुबह यहां 'फिट इंडिया मूवमेंट' के प्रमुख कार्यक्रम 'संडे ऑन साइकिल' की अगुआई की जिसका उद्देश्य साइकिल चलाकर स्वस्थ और तंदुरुस्त जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करना और साथ ही प्रदूषण के समाधान को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा, मैं सभी से, खासकर युवाओं से, जब भी संभव हो साइकिल का उपयोग आवागमन के लिए करने का आग्रह करता हूं। इससे न केवल वे स्वस्थ रहेंगे बल्कि इससे हमारे पर्यावरण का समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर होगा।

इस साइकिल यात्रा को गेटवे ऑफ इंडिया से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यात्रा में देश भर से 500 से अधिक साइकिल सवार शामिल हुए जिनमें स्वास्थ्य विशेषज्ञ, विभिन्न साइकिल क्लब और व्यक्तिगत फिटनेस उत्साही शामिल थे।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाने के अलावा इस सप्ताह के 'संडे ऑन साइकिल' का संदेश 'मोटापे से लड़ो' था।

साइकिलिंग कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में भी किया गया जिसमें 2024 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता और 2025 राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता शिवानी पवार सहित 170 से अधिक राइडर शामिल हुए।

'संडे ऑन साइकिल' पहल पिछले साल 17 दिसंबर को शुरू की गई थी और इसे पहले ही पूरे भारत में 3500 से अधिक स्थानों पर आयोजित किया जा चुका है।

राणा के प्रत्यर्पण से उसकी यात्राओं के बारे में कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आतंकी तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से संभावित प्रत्यर्पण से 2008 में मुंबई आतंकवादी हमलों से कुछ दिन पहले उत्तर और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में उसकी यात्राओं के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक 64 वर्षीय राणा 2023 में 14 साल की सजा पूरी करने के बाद लॉस एंजिल्स के एक महानगरीय हिरासत केंद्र में हिरासत में है। वह पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी और मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उनके प्रशासन ने राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। प्रत्यर्पित होने के बाद, राणा इस मामले में भारत में मुकदमे का सामना करने वाला वाला तीसरा आतंकी होगा। इससे पहले अजमल कसाब और जबीउद्दीन अंसारी को इस मामले में दोषी ठहराया जा चुका है। नवंबर 2012 में, एकमात्र जीवित बचे पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी पर लटका दिया गया था। अमेरिकी संघीय एजेंसी 'एफबीआई' ने 27 अक्टूबर 2009 को राणा को गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ 2011 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और आतंकवाद की रोकथाम संबंधी 'सार्क कन्वेंशन' की धारा 6(2) के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया था। भारत में हेडली के ठिकानों की पड़ताल करते हुए, केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों को पता चला कि राणा ने 13 नवंबर से 21 नवंबर 2008 के बीच अपनी पत्नी समराज राणा अख्तर के साथ हापुड़, दिल्ली, आगरा, कोच्चि, अहमदाबाद और मुंबई की यात्रा की थी।

प्रश्नपत्रों की कमी के कारण रांची के केंद्र पर सीबीएसई परीक्षा में हुई देरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। कथित तौर पर ''प्रश्नपत्रों की कमी'' के कारण रांची के एक केंद्र पर सीबीएसई बोर्ड परीक्षा अपने निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुई। ऐसा दावा कुछ अभिभावकों ने किया है। केंद्र के प्रमुख ने कहा कि देरी तकनीकी समस्याओं के कारण हुई, जिसे सीबीएसई ने समय रहते सुलझा लिया और छात्रों को अतिरिक्त समय दिया गया।

केंद्र पर परीक्षा देने के लिए करीब 500 छात्र पंजीकृत हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं शनिवार को झारखंड में शुरू हो गईं। एक अधिकारी ने बताया कि परीक्षा देने के लिए रांची और खूंटी जोन से 31,000 से अधिक छात्र पंजीकृत हैं। कक्षा 10वीं की परीक्षाएं शनिवार को अंग्रेजी (संचार) और अंग्रेजी (भाषा और साहित्य) के पेपर के साथ शुरू हुईं। परीक्षाएं 10:30 बजे शुरू होकर दोपहर 1:30 बजे समाप्त होनी थीं। एक अभिभावक ने दावा किया, केंद्र पर कुछ छात्रों के लिए प्रश्नपत्रों की कमी के कारण परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। केंद्र प्रमुख ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि तकनीकी कारणों से देरी हुई। उन्होंने कहा, सीबीएसई ने इस मुद्दे को जल्दी ही सुलझा लिया और छात्रों को अतिरिक्त समय देकर परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हुई। टिप्पणी के लिए बार-बार प्रयास करने के बावजूद, सीबीएसई समन्वयक और सरला बिरला स्कूल की प्राचार्य परमजीत कौर से संपर्क नहीं हो सका।

काशी-तमिल संगमम् के तीसरे संस्करण का हुआ उद्घाटन

केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एवं एल. मुरुगन सहित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने समारोह में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी में काशी-तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना आदि शंकराचार्य से की और कहा कि देश को जोड़ने का जो काम कभी शंकराचार्य ने किया था वही आज मोदी काशी-तमिल संगमम कार्यक्रम के जरिये कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 'काशी-तमिल संगमम3.0' का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से वाराणसी में लगातार तीसरी बार काशी-तमिल संगमम का आयोजन हो रहा है।

उन्होंने मोदी की तुलना आदि शंकराचार्य से करते हुए कहा, देश को पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण को जोड़ने का कार्य जो कभी आदि शंकराचार्य ने किया था, वही कार्य आज के परिवेश में प्रधानमंत्री जी काशी-तमिल संगमम कार्यक्रम के माध्यम से कर रहे हैं। उनकी एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत तमिल भाषा में अतिथियों के स्वागत से की।

इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने वाराणसी में 'नमो घाट' पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान तथा केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन की उपस्थिति में काशी-तमिल संगमम-3.0 कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने काशी-तमिल संगमम में आए मेहमानों का काशीवासियों, प्रदेशवासियों तथा प्रधानमंत्री की ओर से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने नमो घाट पर महर्षि अगस्त्य के जीवन चरित्र पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार काशी-तमिल संगमम नए भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए महर्षि अगस्त्य को समर्पित है। इस बार की थीम 4-एस पर आधारित है, जिनमें भारत की संत परम्परा, साइंटिस्ट (वैज्ञानिक) , सोशल रिफॉर्मर (समाज सुधारक) और स्टूडेन्ट (छात्र) शामिल हैं। उन्होंने कहा, भारत की संत परम्परा आध्यात्मिक ज्ञान की प्रतीक है। हमारे वैज्ञानिक लौकिक जीवन के ज्ञान का प्रतिनिधित्व करते हैं। सोशल रिफॉर्मर समाज की विकृति को दूर करने में अपना योगदान देते हैं तथा हमारे विद्यार्थी नये भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देने का कार्य कर रहे हैं। इन चारों को मिलाकर और महर्षि अगस्त्य को ध्यान में रखकर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है।

वाराणसी में रविवार को काशी-तमिल संगमम के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह में शिरकत करते केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एवं सूचना एवं प्रसारण विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं अन्य।

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण व संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन हुआ, जिसमें तमिलनाडु एवं काशी के कलाकारों ने प्रतिभाग कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। ज्ञातव्य है कि काशी और तमिलनाडु के प्रमुख शहरों के बीच प्राचीन काल से चले आ रहे कला-सांस्कृतिक जुड़ाव को जीवंत रखने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा काशी-तमिल संगमम कार्यक्रम का आयोजन पिछले दो वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में किया जा रहा है।

इस वर्ष इसका आयोजन 15 से 24 फरवरी, 2025 तक किया जा रहा है। काशी-तमिल संगमम एक सांस्कृतिक उत्सव है, जिसका उद्देश्य उत्तर भारत और दक्षिण भारत की विविध पारम्परिक और सांस्कृतिक प्रथाओं को एक साथ लाना है। इसमें तमिलनाडु के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। इस संगमम का आयोजन केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है।

पंचायत विकास सूचकांक में तमिलनाडु तीसरे स्थान पर, कार्यात्मक आयाम में शीर्ष पर: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को कहा कि पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) में राज्य को समग्र श्रेणी में तीसरा स्थान मिला है और कार्यात्मक आयाम में यह पहले स्थान पर है।

राज्य सरकार ने कहा कि यह उपलब्धि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और स्थानीय स्वशासन के लिए ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। राज्यों में पंचायतों के सशक्तिकरण से संबंधित रैंकिंग वाली रिपोर्ट को केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल ने 13 फरवरी, 2025 को दिल्ली में जारी किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु समग्र सूचकांक में राज्यों में तीसरे स्थान पर है और कार्यात्मक हस्तांतरण आयाम में यह शीर्ष पर है, जिसने बेंचमार्क स्थापित किया है।

अध्ययन के अनुसार, राज्य को कार्य आयाम में सर्वोच्च स्कोर मिला है, क्षमता निर्माण में दूसरा और वित्त में तीसरा स्थान मिला है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा कराया गया यह मूल्यांकन भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नयी दिल्ली द्वारा किया गया। रिपोर्ट में इस बात का गहन विश्लेषण किया गया है कि प्रत्येक राज्य में पंचायतें अपनी संवैधानिक भूमिकाएं निभाने में कितनी सक्षम हैं तथा पंचायतों को शक्तियां और संसाधन सौंपने में राज्यों के समग्र प्रदर्शन को मापा गया है। इसमें विभिन्न आयामों और संकेतकों के लिए उप-सूचकांक बनाए गए हैं।

दुर्घटना में घायल किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलूरु लाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पंजाब के पटियाला में एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए कर्नाटक के किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को रविवार को एयर एंबुलेंस से बेंगलूरु लाया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के कार्यालय ने यह जानकारी दी। शांताकुमार को उपचार के लिए बेंगलूरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, सिद्दरामय्या ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पंजाब के पटियाला में तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में शांताकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलूरु लाया जाए।

दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन की निवासी आयुक्त इमकोंगला जामिर पंजाब सरकार के मुख्य सचिव और पटियाला अस्पताल के डॉक्टरों के लगातार संपर्क में थीं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शनिवार को एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई जिसके बाद डॉक्टरों और दो सहायकों की टीम की मदद से शांताकुमार को आज बेंगलूरु लाया गया।

भारत के ई-वेस्ट में छिपा है 'खजाना', 6 बिलियन डॉलर की हो सकती है कमाई!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । भारत का ई-वेस्ट एक बड़ा आर्थिक अवसर उपलब्ध करा रहा है। मेटल एक्सट्रैक्शन के जरिए रिकवर किए जाने वाले मटीरियल में 6 बिलियन डॉलर की अनुमानित आर्थिक क्षमता का दावा एक रिपोर्ट कर रही है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट के हवाले से ये जानकारी दी गई। भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का ई-वेस्ट वित्त वर्ष 2014 में 2 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 3.8 एमएमटी हो गया है, जो शहरीकरण और बढ़ती आय के कारण हुआ है।

मुख्य रूप से घरों और व्यवसायों द्वारा उत्पन्न कंज्यूमर सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2024 में कुल ई-वेस्ट का लगभग 70 प्रतिशत योगदान दिया। ई-वेस्ट उत्पादन में एक बड़ा ट्रेंड मटीरियल की तीव्रता में बदलाव है। जबकि उपकरण अधिक कॉम्पैक्ट और हल्के होते जा रहे हैं। त्यागे गए सामानों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे कुशल रीसाइक्लिंग रणनीतियों की आवश्यकता होती है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के पार्टनर जसबीर एस. जुनेजा ने कहा, आने वाले वर्षों में ई-वेस्ट की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है। ई-वेस्ट में मेटल का बढ़ता मूल्य भारत के लिए रिकवरी दक्षता बढ़ाने और खुद को सस्टेनेबल मेटल एक्सट्रैक्शन में लीडर के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है।

वर्तमान में, भारत में कंज्यूमर ई-वेस्ट का केवल 16 प्रतिशत फॉर्मल रिसाइक्लर द्वारा प्रोसेस किया जाता है। वित्त वर्ष 2035 तक फॉर्मल रिसाइकलिंग सेक्टर में 17 प्रतिशत सीएजीआर वृद्धि के अनुमानों के बावजूद, इसके द्वारा भारत के ई-वेस्ट का केवल 40 प्रतिशत ही हैंडल करने की उम्मीद है। इस सेक्टर को अनौपचारिक प्लेयर्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो कम अनुपालन लागत और व्यापक संग्रह नेटवर्क का लाभ उठाते हैं।

इस बीच, 10-15 प्रतिशत ई-वेस्ट घरों में स्टोर रहता है और 8-10 प्रतिशत लैंडफिल में समाप्त हो जाता है, जिससे रिसाइकलिंग दक्षता कम हो जाती है। एक सस्टेनेबल ई-वेस्ट मैनेजमेंट इकोसिस्टम बनाने के लिए, भारत सरकार ने एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) फ्रेमर्क पेश किया है। ईपीआर तब से उत्पादकों के लिए परिभाषित संग्रह लक्ष्यों के साथ एक अनिवार्य प्रणाली में विकसित हुआ है।

हालांकि, कम न्यूनतम ईपीआर शुल्क और अपर्याप्त औपचारिक रीसाइक्लिंग क्षमता के कारण अंतराल बने हुए हैं। फॉर्मल रीसाइक्लिंग नेटवर्क को मजबूत करना मेटल रिकवरी रेट में सुधार और रिटर्न को अधिकतम करने की कुंजी है। इससे भारत की मेटल आयात मांग में 1.7 बिलियन डॉलर तक की कमी आ सकती है, जबकि हाई-वैल्यू रिसाइकल्ड मेटल की निरंतर सप्लाई सुनिश्चित हो सकती है।

केरल के मुख्यमंत्री ने लोगों को बढ़ते तापमान को लेकर किया आगाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को लोगों को राज्य में बढ़ते तापमान के प्रति आगाह किया और चेतावनी दी कि भीषण गर्मी के कारण लू, 'सनबर्न' और निर्जलीकरण जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी।

मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में गर्मी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, इस परिस्थिति में सभी को मौसम विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार आवश्यक सावधानी बरतने के लिए तैयार रहना चाहिए। विजयन ने लोगों को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक तेज धूप से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बाजारों, कचरा घरों, डलाव केंद्रों, इमारतों आदि जैसे स्थानों पर आग लगने और फैलने की बहुत अधिक आशंका रहती है, इसलिए वहां इस आशंका को ध्यान में रखकर पड़ताल कराया जाना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती जानी चाहिए। विजयन ने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण जंगलों में आग लगने की आशंका है, इसलिए पर्यटकों और जंगल के आसपास रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वन विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों को पीने का पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री की आलोचना करने वाले कार्टून के प्रकाशन के बाद वेबसाइट अवरुद्ध हुई : तमिल पत्रिका

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आपत्तिजनक तरीके से दिखाने वाले कार्टून प्रकाशित करने के बारे में भाजपा द्वारा एक तमिल डिजिटल पत्रिका के खिलाफ केंद्र से की गई शिकायत के बीच पत्रिका ने दावा किया है कि उसके पोर्टल तक पहुंच अवरुद्ध हो गई है। पत्रिका का कहना है कि उसके पाठक वेबसाइट तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन तथा अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने वेबसाइट को अवरुद्ध करने की निंदा की। पत्रिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसी कई रिपोर्ट आई हैं जिनमें कहा गया है कि 'विकटन' वेबसाइट को केंद्र सरकार ने ब्लॉक कर दिया है। इसमें कहा गया, विभिन्न स्थानों से कई उपयोगकर्ताओं ने बताया है कि वे विकटन वेबसाइट तक पहुंचने में असमर्थ हैं। हालांकि, अभी तक, इस वेबसाइट तक पहुंच अवरुद्ध करने के संबंध में केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। पत्रिका ने कहा, इससे पहले, विकटन की डिजिटल पत्रिका 'विकटन प्लस' ने एक कवर कार्टून (10 फरवरी, सोमवार) प्रकाशित किया था, जिसमें भारतीयों को हथकड़ी लगाकर अमेरिका से निर्वासित किए जाने के मुद्दे को उजागर किया गया था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी इस मामले पर चुप रहे थे। इसने कहा, इस कार्टून की भाजपा समर्थकों ने आलोचना की थी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कथित तौर पर केंद्र सरकार के समक्ष विकटन वेबसाइट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि मीडिया संस्थान को उसके विचारों के लिए निशाना बनाना लोकतांत्रिक मानदंडों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया, यह भाजपा के फासीवादी स्वभाव का एक उदाहरण है उन्होंने केंद्र से वेबसाइट को बहाल करने का आग्रह किया। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई ने भी केंद्र द्वारा की गई कथित कार्रवाई की निंदा की।

सिद्दरामय्या हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्दरामय्या का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्दरामय्या हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं। शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्दरामय्या को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं।

थरूर ने केरल के विकास से संबंधित अपने आलेख का बचाव किया, यूडीएफ ने की थी आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता एवं सांसद शशि थरूर ने राजनीतिक विवाद की वजह बने अपने एक हालिया आलेख का बचाव करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि उन्होंने पूर्ववर्ती संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के दौरान हुई औद्योगिक प्रगति का उल्लेख जानबूझकर नहीं किया। थरूर ने देर रात मलयाली में 'फेसबुक' पर लिखा, मेरे आलेख में मुख्य रूप से मौजूदा उद्योग मंत्री द्वारा प्रस्तुत आंकड़े पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जिन्होंने कहा था कि माकपा (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी) की सामान्य नीति औद्योगिक निवेश के अनुकूल नहीं रही है और इसमें बदलाव हुए हैं।

थरूर ने यह स्पष्टीकरण एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित उनके आलेख से शुरू हुए राजनीतिक विवाद के जवाब में दिया। आलेख में उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के दौरान केरल में उद्यमशीलता के विकास की प्रशंसा की थी। थरूर की पार्टी ने उनके दावों के आधार पर सवाल उठाए, हालांकि माकपा ने आलेख की सराहना की। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने थरूर की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर राज्य में यूडीएफ के कार्यकाल के दौरान औद्योगिक क्षेत्र की उपलब्धियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। थरूर ने 'फेसबुक पोस्ट' में कहा कि कुछ लोगों का कहना है कि उनके आलेख में पिछली ओमन चांडी सरकार के दौरान की गई प्रौद्योगिकीय प्रगति का उल्लेख नहीं किया गया है। थरूर ने कहा, यह चूक अनजाने में हुई।

थरूर ने यूडीएफ की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि पी. के. कुन्हालीकुट्टी के नेतृत्व में केरल में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं और पर्याप्त विकास हुआ। कुन्हालीकुट्टी पिछली ओमन चांडी सरकार में उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री थे। 'पोस्ट' में कहा गया कि राज्य का पहला वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम) भी ए. के. एंटनी सरकार के दौरान पी. के. कुन्हालीकुट्टी के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

इससे पहले शनिवार को केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने थरूर के आलेख पर सवाल उठाकर बहस छेड़ दी थी। बाद में कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने भी सांसद की टिप्पणियों से जुड़े संदर्भ के बारे में पूछा।

आंध्र प्रदेश : पलनाडु जिले में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

पलनाडु। आंध्र प्रदेश में पलनाडु जिले के राजुपालम मंडल में रविवार को एक लॉरी और कार की बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह पलनाडु जिले के राजुपालम मंडल के पेडानेमालिपुरी के पास सड़क दुर्घटना हुई। मृतक हैदराबाद से मड्डीपाडु जा रहे थे। मृतकों की पहचान शेख नाजिमा (50), शेख नूरुल्लाह (26) और शेख हबीबुल्लाह (24) के रूप में हुई है। तीनों मृतक एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। इस घटना के कारण हाइवे पर लंबा जाम लग गया, जिसके कारण पुलिस को वाहनों के आवागमन को नियंत्रित करना पड़ा। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में पलनाडु जिले में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हुए थे। दुर्घटना अडांकी-नरकटपल्ली राजमार्ग पर हुई थी। जानकारी के अनुसार, कुछ लोग अपनी नई कार की पूजा करने के लिए तेलंगाना के कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर गए थे। लौटते तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई थी। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी और अन्य चार घायल हो गए थे।

किसानों के मुद्दे पर ओडिशा विधानसभा में हंगामा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा के सत्र की कार्यवाही में शनिवार को उस समय हंगामा देखने को मिला, जब विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस के विधायकों ने फसलों के नुकसान के बाद किसानों द्वारा आत्महत्या किए जाने समेत कृषकों के मुद्दों पर विशेष चर्चा की मांग की, जबकि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने पूर्व नौकरशाह वी. के. पांडियन पर सदन में बीजद के सदस्यों के कार्यों को ''नियंत्रित'' करने का आरोप लगाया। सदन में सुबह कार्यवाही शुरू होते ही बीजद और कांग्रेस विधायकों ने किसानों के मुद्दे पर विशेष चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया, जिसके कारण अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

स्टालिन ने एनईपी और कोष के लिए तीन-भाषा नीति को लेकर धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और तीन भाषा फार्मूले के संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बयान की आलोचना की। उन्होंने प्रधान पर कथित तौर पर यह रुख अपनाने के लिए ''ब्लैकमेल'' करने का आरोप लगाया कि राज्य को तब तक धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जाएगी, जब तक वह एनईपी और तीन भाषा फार्मूले को स्वीकार नहीं कर लेता। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में 15 फरवरी को वाराणसी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रधान के एक वीडियो क्लिप को टैग किया। वीडियो में प्रधान यह कहते हुए दिखे कि तमिलनाडु को भारतीय संविधान की शर्तों को मानना होगा और तीन भाषा नीति ही कानून का शासन है।

मुख्यमंत्री ने प्रधान के इस रुख को अस्वीकार्य बताया और कहा कि तमिल लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। स्टालिन ने कहा कि राज्य ने केंद्र से अपना हक मांगा है, जो उसका अधिकार है, लेकिन केंद्रीय मंत्री अहंकार से बात करते हैं जैसे कि राज्य उनकी निजी संपत्ति पर दावा कर रहा है। स्टालिन ने कहा कि प्रधान को संवैधानिक प्रावधान को स्पष्ट करना चाहिए जो अंग्रेजी, संबंधित क्षेत्रीय भाषा और हिंदी की त्रिभाषा नीति को अनिवार्य बनाता है। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सहयोगी दलों कांग्रेस और वीसीके ने भी प्रधान की आलोचना की। मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने दो भाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि पार्टी सत्ता में हो या न हो, वह अपनी घोषित नीति से कभी पीछे नहीं हटेगी।

अन्नाद्रमुक महासचिव और विपक्ष के नेता के. पलानीस्वामी ने वेल्लोर में अपनी पार्टी द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य को शिक्षा के मद में धनराशि जारी करने के लिए एनईपी और तीन भाषा मानदंड के कार्यान्वयन पर केंद्र का जोर ठीक नहीं है।

स्टालिन के बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सवाल किया कि राज्य के सरकारी स्कूलों में बच्चों को तमिल, अंग्रेजी और एक अन्य भारतीय भाषा क्यों नहीं पढ़ाई जानी चाहिए, जब मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बच्चों या पोते-पोतियों को निजी स्कूलों में तीन भाषाएं पढ़ाई जा सकती हैं। प्रधान ने आरोप लगाया है कि द्रमुक नीत सरकार राजनीतिक कारणों से एनईपी पर सहमति नहीं दे रही है। मंत्री ने कहा, ''उन्हें एनईपी को अक्षरशः स्वीकार करना होगा।''

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-600 038

निविदा सूचना

निम्नलिखित ई-निविदाएँ IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

क्रम सं.	निविदा संख्या	खुला निविदा फ़ाइल संदर्भ संख्या	कार्य का नाम
1	2025471211708 - ओटी38-हेल्प-1	एमएस / सी / ओटी 38/ हेल्परस - 1/शेल/2024-25	''सडिका की शेल कारखाना में हेल्परों के कार्य को आउटसोर्स करने''के लिए सेवा अनुबंध
2	2025471211712 - ओटी 39 - स्प्रिंग	एमएस/सी/ओटी 39/स्प्रिंग/ पेकिंग/2024-25	आरडीएसओ दिशा निर्देश संख्या आरडीएसओ/2017/सीजी-01 (संशोधन 02), दिनांक फरवरी 2023 के अनुसार स्प्रिंग्स की पैकिंग

क्रम सं.	मात्रा /अनुसूची विवरण		निविदा बंद होने की तिथि एवं समय
1	300 दिनों के लिए प्रतिदिन 260 हेल्परों की हाइरिंग	78000 श्रम दिवस	10.03.2025 को 15.00 बजे
	300 दिनों के लिए प्रतिदिन 6 पर्यवेक्षकों की हाइरिंग	1800 श्रम दिवस	
	प्रशासनिक प्रभार	300 श्रम दिवस	
2	15190 तादाद		10.03.2025 को 15.00 बजे

अभियंता के कई परिसर पर छापेमारी, ज्ञात आय से दोगुना अधिक संपत्ति होने का खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एक अभियंता के कई परिसर पर छापेमारी करके उसके पास ज्ञात आय से 200 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने का खुलासा किया ब्यूरों के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्यूरो की 12 टीम ने शनिवार रात जयपुर, उदयपुर, अजमेर, ब्यावर, जोधपुर और फरीदाबाद (हरियाणा) में आरोपी अधिशाषी अभियन्ता दीपक मित्तल से जुड़े परिसर पर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी अब भी जारी है।

ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश ने बताया कि आय से अधिक संपत्ति की शिकायत के बाद एसीबी ने अदालत से तलाशी वारंट हासिल किया है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि मित्तल ने अपनी वैध आय से 4.02 करोड़ रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित की है। एसीबी की एक टीम ने रविवार सुबह जोधपुर में कार्यरत अधिशाषी अभियंता के कार्यालय की भी तलाशी ली। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने अपनी कुछ संपत्ति अपने भाई के घर में निवेश की है। जिसके बाद एक अन्य टीम को फरीदाबाद भेजा गया।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अधिकारी द्वारा जयपुर, उदयपुर, अजमेर व ब्यावर में कुल 16 भूखंड क्रय करने व निमार्ण कार्य पर करोड़ों रुपये व्यय करने से जुड़े दस्तावेज समेत कई बैंक खाते, चेक बुक और लॉकर से संबंधित कागजात बरामद किए। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।

सूखी घास में लगी आग, दो भाइयों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले के नाई थाना क्षेत्र में शनिवार को एक खेत में पड़ी सूखी घास में लगी में आग में झुलसे दो भाइयों की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया।

पुलिस ने बताया कि पई गांव में जहां आग लगी, वहां चार से पांच घर है। परिवार के सदस्य खेत में काम कर रहे थे। वहां सूखी घास पड़ी थी और तीनों बच्चे घास के पास ही खेल रहे थे। इस दौरान घास में अचानक आग लग गई और तीनों बच्चे गंभीर रूप से झुलस गये। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सहायक पुलिस उपनिरीक्षक हरिराम नाथ ने बताया कि आग में झुलसे आशीष (5) और उसके छोटे भाई पीयूष (4) की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से झुलसे विशाल (4) का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि दोनों मृतक भाइयों का रविवार को पोस्टमार्टम करने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

केरल व तमिलनाडु के बाद राजस्थान में देखने को मिला आयोकोमा आरबोरसेन्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। समृद्ध जैव विविधता वाले राजस्थान के सिरोही जिले में माउन्ट क्षेत्र में आयोकोमा आरबोरसेन्स नामक पौधे की प्रजाति की उपस्थिति दर्ज हुई है। यह नई खोज उदयपुर के पर्यावरण विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत वन अधिकारी डॉ.सतीश कुमार शर्मा एवं फाउन्डेशन फॉर ईकोलॉजीकल सिक्योरिटी के फील्ड इकोलॉजिस्ट डॉ. अनिल सरसवन ने की है। डॉ शर्मा ने बताया कि यह एक वानस्पतिक मूल की

सदस्य है जो सोलेनेसो यानी टमाटर कुल की है। इस झाड़ी में एकान्तरित, सरल एवं बडी पत्तियां विद्यमान रहती हैं। इसमे अप्रेल माह में पत्तियों की कक्ष में गुच्छों में हरे- सफेद रंग के फूल लगते हैं। उन्होंने बताया कि अप्रेल-मई में छोटे-छोटे गोलाकार फल गुच्छों में लगते हैं। पकने पर यह फल नारंगी हो जाता है। यह एक विदेशी प्रजाति का पौधा है। यह झाड़ी माउन्ट दाबू नगर एवं अभयारण्य में जगह- जगह विद्यमान है। अभी तक यह प्रजाति केवल केरल व तमिलनाडु में देखी गई थी। राजस्थान देश का तीसरा राज्य है जहां यह प्रजाति देखने को मिली है। इस प्रजाति संबंधी अनुसंधान पत्र इन्टरनेशनल जर्नल कॉफ साइन्टिफिक रिसर्च इन बायोलॉजीकल साइन्स के खण्ड ।। के अंक 6 में प्रकाशित हुआ है।

पुष्कर में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक तेंदुए की मौत

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर अजमेर मार्ग पर शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन वर्षीय नर तेंदुए की मौत हो गई। अजमेर रेंज के उपवन संरक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि पुष्कर के क्षेत्रीय वन विभाग कार्यालय में प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में सभी आवश्यक प्रक्रिया पूरी की व पोस्टमार्टम के बाद नियमों के अनुसार तेंदुए का अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने बताया कि पुष्कर अजमेर मार्ग पर स्थित होटल अनंता के सामने हुई इस घटना में अज्ञात वाहन ने तेंदुए को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

पहली बार 927 पाक विस्थापितों को प्रदान किए भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में एक साथ पहली बार 927 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये है।

देश में पहली बार सीमावर्ती जैसलमेर शहर में आयोजित दो दिवसीय वृहद नागरिकता शिविर में इतनी बड़ी संख्या में पाकिस्तान से आये हिन्दू विस्थापितो को भारतीय नागरिकता के सर्टिफिकेट दिए गए। इसके तहत गुरुवार को करीब 450 हिन्दू पाक विस्थापितों को नागरिकता के सर्टिफिकेट दिए गए जबकि बाकी बचे हुए पाक विस्थापितों को शुक्रवार को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र दिए गए। भारतीय नागरिकता मिलने के बाद उनके चेहरों पर एक अजीब सी खुशी एवं संतोष का भाव देखा गया।

स्वर्ण में पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण देने का कार्यक्रम रखा गया है। नागरिकता कार्यक्रम में जयपुर से डायरेक्टर लेवल के अधिकारी जॉइन डायरेक्टर अविनाश शर्मा जनगणना कार्य निदेशालय जयपुर से जनगणना संचालन निर्देशक विष्णु चरण मलिक के साथ पूरी टीम पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान कर भारतीय होने का प्रमाणपत्र देने जैसलमेर जिला कलेक्टर प्रताप सिंह पहुंचे। इस दौरान भारतीय होने का हक पाकर पाक विस्थापितों के चेहरे खिल उठे। वही उन्होंने मिठाइयां खिला व एक दूसरे को माला पहनाकर बधाइयां दी।

पत्नी व भाई संग गरीब नवाज के दर पर पहुंचे प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। भारत के सबसे बड़े उद्योगपतियों में से एक और अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी शनिवार को अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर पहुंचे। जहां उन्होंने पत्नी प्रीति अडानी के साथ मिलकर गरीब नवाज की दरगाह पर चादर चढ़ाई। इस दौरान उनके भाई राजेश और उनकी पत्नी भी साथ में थे। इस बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए उद्योगपति ने बताया कि यहां उन्होंने सभी के लिए बरकत और सलामती की दुआएं मांगी।

यहां पहुंचने पर दरगाह के प्रमुख सैयद सलमान चिश्ती ने उनका स्वागत किया और उनके सिर पर साफा रखते हुए उन्हें दरगाह तक ले गए। इस दौरान अडानी हाथों में गुलाब के फूलों से भरी टोकरी हाथों में लेकर दरगाह तक पहुंचे और पूरी अकीदत के साथ गरीब नवाज की दरगाह पर चादर चढ़ाई। इस दौरान उनकी पत्नी ने भी साड़ी के पल्लू से सिर ढंककर चादर पर हाथ लगाया।

बता दें कि करीब हफ्तेभर पहले 7 फरवरी को ही अडानी परिवार के घर एक मांगलिक कार्य हुआ है, जिसमें उनके बेटे जीत की शादी हुई है।

इस मौके पर अडानी परिवार के नवविवाहित जोड़े ने हर साल 500 दिव्यांग लड़कियों की शादी कराने और इनमें से हर एक को 10 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग देने का संकल्प लिया था।

इस बारे में जानकारी देते हुए गौतम अडानी ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मेरा बेटा जीत और बहू दिवा अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत एक पुण्य संकल्प से कर रहे हैं। जीत और दिवा ने प्रति वर्ष 500 दिव्यांग बहनों के विवाह में प्रत्येक बहन के लिए 10 लाख का आर्थिक सहयोग कर 'मंगल सेवा' का संकल्प लिया है।'

'एक पिता के रूप में यह 'मंगल सेवा' मेरे लिए परम संतोष और सौभाग्य का विषय है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पावन प्रयास से अनेकों दिव्यांग बेटियों व उनके परिवारों का जीवन सुख, शांति और सम्मान से आगे बढ़ेगा। मेरी प्रभु से यही प्रार्थना है कि वह जीत और दिवा को सेवा के इस पथ पर निरंतर आगे बढ़ने का आशीर्वाद और सामर्थ्य दें।'

इसके अलावा एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बेहद सादे समारोह में बेटे की शादी करने की सूचना दी थी और ज्यादा लोगों को ना बुलाए जाने को लेकर लोगों से क्षमा भी मांगी थी। उन्होंने लिखा था, 'परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद से जीत और दिवा आज विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। यह विवाह आज अहमदाबाद में प्रियजनों के बीच पारंपरिक रीति रिवाजों और शुभ मंगल भाव के साथ संपन्न हुआ।'

'यह एक छोटा और अत्यंत निजी समारोह था, इसलिए हम चाह कर भी सभी शुभचिंतकों को आमंत्रित नहीं कर सके, जिसके लिए मैं क्षमाप्रार्थी हूँ। मैं आप सभी से बेटी दिवा और जीत के लिए स्नेह और आशीष का हृदय से आकांक्षी हूँ।'

जबरन धर्मांतरण की सूचना पर पुलिस कार्रवाई, संदिग्ध हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। शहर के बंगाला नगर इलाके में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस को सूचना मिली कि एक घर में जबरन धर्मांतरण करवाया जा रहा है। इस खबर के फैलते ही विश्व हिंदू परिषद और हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और जमकर इसका विरोध किया।

बताया जा रहा है कि जिस घर में यह गतिविधि चल रही थी, वह किराए पर लिया गया था। यहां पुरुष, महिलाएं और बच्चे मौजूद थे, जिनमें से कुछ असाध्य रोगों से पीड़ित थे। मौके पर यीशु की प्रार्थना हो रही थी, जिसे लेकर हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई। आरोप है कि कुछ लोगों को धर्मांतरण के लिए 20 से 25 हजार रुपये देने का लालच दिया गया था, जबकि कुछ लोग ऐसे भी थे जिनके पास वापस जाने तक के पैसे नहीं थे।

इस दौरान मोहल्ले के लोगों और हिंदू संगठनों ने घर में मौजूद लोगों से मारपीट की, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने माहौल शांत कराया और संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर मुक्ताप्रसाद थाने भेज दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे मामले में सेना के दो जवानों के भी शामिल होने की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त कर ली है और सभी संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

आस्था कार्यक्रमों को राजनीतिक हित साधने का नहीं बनाएं माध्यम : अशोक गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। महाकुंभ से जुड़ी दिल्ली स्टेशन भगदड़ और प्रयागराज भगदड़ को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार को आस्था कार्यक्रमों में राजनीतिक हित साधने का

माध्यम नहीं बनाने की अपील की है। गहलोत ने कहा कि कुंभ में शामिल होने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भारी संख्या में उमड़ी भीड़ के कारण हुई भगदड़ में कई व्यक्तियों की असामयिक मृत्यु हो गई।

इससे पहले प्रयागराज में भी भगदड़ से कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी, लेकिन दोनों ही दुर्भाग्यपूर्ण हादसों में कुल कितने लोग हताहत हुए इस बारे में किसी को भी जानकारी नहीं है। पहले भी हर 12 वर्षों में कुंभ होता रहा है, लेकिन सरकार ने इस बार धार्मिक आयोजन का राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस बार यह भ्रम फैलाया कि 144 वर्षों के उपरांत यह महाकुंभ दोबारा आएगा, जिस कारण अधिक से अधिक भीड़ उमड़ने लगी है। इन घटनाओं को देखते हुए सरकार को चाहिए कि अब कुंभ की शेष अवधि यदि अभी शेष हैं, तो इनकी तैयारी इस प्रकार करें कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो। आस्था के कार्यक्रमों को राजनीतिक हित साधने का माध्यम नहीं बनाना चाहिए।

सोशल मीडिया पर हथियार की नुमाइश महंगी पड़ी, अवैध पिस्टल के साथ एक गिरफ्तार

दौसा। दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में अवैध पिस्टल रखने और सोशल मीडिया पर हथियारों की नुमाइश करने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। इसी कड़ी में एक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मुल्जिम विक्रमसिंह बैरवा को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि पुलिस को कुछ दिनों से अवैध हथियारों के संबंध में लगातार सूचनाएं मिल रही थीं। इसी के आधार पर गश्त के दौरान पुलिस टीम ने मीन भगवान मंदिर के पीछे पहाड़ी की ओर पंचमुखी हनुमान मंदिर के रास्ते में विक्रमसिंह पुत्र बाबूलाल बैरवा निवासी मेहंदीपुर, थाना टोडाभीम, जिला करौली को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया अवैध हथियारों के खिलाफ हमारी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। गौरतलब है कि गिरफ्तार आरोपी विक्रमसिंह के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें थाना कोतवाली दौसा, मेहंदीपुर बालाजी, बांदीकुई और टोडाभीम में उसके खिलाफ विभिन्न आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी के पास हथियार कहां से आए और उसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

स्वागत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को योग गुरु स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के मध्य योग एवं आयुर्वेद पर विस्तृत चर्चा भी हुई।

आमजन की सुविधाओं को विस्तार देने वाले विकास कार्यों की करें निरंतर मॉनिटरिंग : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के रोडमैप के जरिए भरतपुर व डीग जिले का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस क्षेत्र की भौगोलिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप आधारभूत विकास परियोजनाओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करते हुए आमजन को लाभान्वित करें।

शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर व डीग जिले के विकास कार्यों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क, ऊर्जा, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्वायत्त शासन, राजस्व, पर्यटन, वन सहित विभिन्न विभाग आमजन की सुविधाओं को विस्तार देने वाले विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भरतपुर व डीग जिले में आमजन के सुगम आवागमन के लिए मजबूत सड़क तंत्र को विकसित किया जाए। इसके लिए आवश्यकतानुसार कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जल संसाधन विभाग द्वारा दोनों जिलों में दशकों पुराने नहरों, बांधों, डिग्गियों का समय-समय पर मरम्मत कार्य किया जाए। जिससे आमजन सहित किसानों को भी इनका पूरा लाभ मिल सके।

शर्मा ने ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया कि भरतपुर एवं डीग जिले में बड़ी आबादी को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रगतिरत विकास कार्यों को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग को निर्देशित किया कि शहरी आबादी के लिए सड़क, बिजली, पानी, साफ-सफाई, सीवरेज जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित कार्यों को गुणवत्ता से पूरा करें तथा इनकी निरंतर मॉनिटरिंग भी की जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि भरतपुर व डीग जिले में आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यकता के अनुरूप संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिए कि भरतपुर व डीग में सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कोटा में 'रासायनिक गैस रिसाव' के बाद 15 से अधिक छात्रों को अस्पताल ले जाया गया

कोटा। एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय के 15 से अधिक छात्र शनिवार सुबह पास के एक रासायनिक कारखाने से कथित तौर पर रिसाव के कारण निकलने वाले धुएं में सांस लेने के कारण बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि रासायनिक कारखाने, 'चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड' (सीएफसीएल) ने गैस रिसाव के दावों का खंडन किया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गडेपान गांव में स्कूल में प्रार्थना के समय सुबह करीब सवा दस बजे हुई।

कतार में खड़े बच्चों ने कथित रासायनिक गैस रिसाव के धुएं को सांस के जरिए अंदर ले लिया। इसके बाद गैस रिसाव की पुष्टि के लिए सीएफसीएल के अधिकारियों को बुलाया गया।

हालांकि, स्कूल शिक्षक सुरेन्द्र नागर ने बताया कि जब तक अधिकारी पहुंचे कुछ छात्रों ने चक्कर आने, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी की शिकायत की। डीएसपी राजेश ढाका ने बताया कि करीब छह लड़कियों ने चक्कर आने की शिकायत की और उन्हें सीएफसीएल के आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में ले जाया गया। बाद में 12 छात्रों ने भी चक्कर आने और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और उन्हें कोटा के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

एटा में विवाद सुलझाने पहुंचा फर्जी आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार

एटा/भाषा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले की जलेसर पुलिस ने खुद को आईपीएस अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

जलेसर थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुधीर कुमार राघव ने बताया कि शनिवार को एक व्यक्ति खुद को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अधिकारी बताकर एक विवाद सुलझाने पहुंचा, उसकी संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान ललितपुर जिले के कोतवाली नाका क्षेत्र निवासी हेमंत प्रताप सिंह बुंदेला के रूप में हुई है। एसएचओ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ उप निरीक्षक चन्द्रशेखर त्रिपाठी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

नदियां धरती माता की धमनी हैं जो सूख रहीं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि नदियां धरती माता की धमनी हैं जो सूखती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण प्रदूषण के कारण ही जलवायु परिवर्तन हो रहा है।

उन्होंने कहा, हम अपने स्वार्थ के लिए नदियों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, धरती माता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं जो बंद होना चाहिए। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर हमने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है। इसी तरह प्रधानमंत्री जी ने लकड़ी और कोयले को जलाने से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए 10 करोड़ एलपीजी कनेक्शन निःशुल्क उपलब्ध कराए हैं। महाकुंभ नगर के सेक्टर 25 में आयोजित आस्था और जलवायु परिवर्तन विषयक जलवायु सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ ने कहा, हर व्यक्ति एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन से बचने के प्रयास में कितना भागीदार बन रहा है, यह महाकुंभ के संदेश का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा, आज से 10 साल पहले क्या गंगा और यमुना इतनी अविरल थीं। जब हम वैदिक सूत्रों में ढूंढ़ते हैं तो शांति पाठ में हम चराचर जगत के कल्याण की बात करते हैं। लेकिन व्यावहारिक जीवन में हम स्वयं के कल्याण के मार्ग में बाधा बनकर खड़े हो जाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा, उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने 210 करोड़ वृक्षारोपण किया जिसमें से 70-80 प्रतिशत पौधे सुरक्षित हैं। साथ ही डीजल से चलने वाली बसों के स्थान पर इलेक्ट्रिक बसों को प्राथमिकता दी। दम तोड़ चुकी नदियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, संगम का दायरा बढ़ाने और संगम में हर समय 10,000 से 11,000 क्यूसेक पानी मौजूद रहे, यह सुनिश्चित किए जाने से मौनी अमावस्या जैसी भीड़ आज हर दिन हो रही है और लोग संगम में स्नान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से निपटने के प्रयासों में भागीदार बनने पर विचार करना चाहिए। क्या हम एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग बंद कर पाएंगे। क्या हम नदियों में अतिक्रमण करना, उस पर कब्जा करने की प्रवृत्ति छोड़ पाएंगे। वन्य जीवों के प्रति क्या हमारे मन में भी संवेदना जाग्रत होगी। उन्होंने कहा, जैसे हमारा दैनिक जीवन चक्र है, उसी प्रकार इस धरती माता का भी अपना जीवन चक्र है।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से समय और धन की बचत होगी, देश का विकास होगा : फागू चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बिहार के पूर्व राज्यपाल फागू चौहान ने रविवार को कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से न केवल समय व धन की बचत होगी बल्कि देश का विकास और आमजनमानस पर भी बार-बार होने वाले चुनाव का प्रभाव नहीं पड़ेगा। चौहान 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के सिलसिले में यहां आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने रविवार को बताया कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' को व्यापक जनसमर्थन मिले इसके लिए पूर्व राज्यपाल फागू चौहान की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में एक बैठक सम्पन्न हुई। दीक्षित ने बताया कि समाज के सभी वर्गों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम जनमानस के बीच 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के प्रति समर्थन को लेकर योजना पर चर्चा हुई। अपने संबोधन में चौहान ने कहा, एक साथ चुनाव कराना कोई नई बात नहीं है। स्वतंत्र भारत में 1951 से लेकर 1967 तक सभी राज्य की विधानसभाओं और लोकसभा के आम चुनाव साथ-साथ होते थे।

एक बयान के अनुसार, पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) सिंह ने कहा, अलग-अलग समय पर राज्यों तथा लोकसभा चुनाव होने से देश के संसाधनों तथा श्रम शक्ति का ह्रास होता है।

महाकुंभ में अव्यवस्था के कारण हो रहे सड़क हादसे : अखिलेश

लखनऊ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा नीत सरकार पर प्रहार करते हुए महाकुंभ में कुप्रबंधन का आरोप लगाया और वहां की यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुआवजे की मांग की है। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, महाकुंभ के श्रद्धालुओं से भरी बसों व अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें प्रतिदिन बढ़ रही हैं। जो बेहद दुखद है। सपा प्रमुख ने हादसों की वजह गिनाते हुए कहा, इसके पीछे मुख्य कारण ये है कि भारी जाम व अव्यवस्था के कारण चालकों की हालत बहुत खराब है। न उनकी थकान उतर रही है न नींद पूरी हो रही है। ऐसे में वो अर्द्ध निद्रा की अवस्था में वाहन चला रहे हैं जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। यादव ने सुझाव देते हुए कहा, साथ ही सड़कों पर पैदल चलनेवालों को बचाने की भी चुनौती है। इसलिए ध्यान भटकते ही मौतें हो रही हैं। इसका समाधान सिर्फ अच्छी व्यवस्था है, जो सरकार ही कर सकती है पर कर नहीं पा रही है।

गोगोई के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चला रहे हैं भाजपा, हिमंत विश्व शर्मा: रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के खिलाफ 'दुष्प्रचार अभियान'' चलाने और ''चरित्र हनन'' में संलिप्त होने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि गोगोई ने जोरहाट लोकसभा सीट जीत ली और असम के मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असम के मुख्यमंत्री और भाजपा ने मेरे सहयोगी गौरव गोगोई को निशाना बनाकर दुष्प्रचार अभियान शुरू किया है। यह सरासर चरित्र हनन का प्रयास है। तुरंत कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है।

उन्होंने कहा, बदनाम करने वाला यह अभियान इसलिए चलाया जा रहा है क्योंकि गौरव गोगोई ने जून 2024 में जोरहाट लोकसभा सीट जीती थी, जबकि असम के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री जोरहाट में डेरा डाले हुए थे और उनके खिलाफ प्रचार कर रहे थे। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है क्योंकि जोरहाट के सांसद असम के मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार और काले कारनामों को उजागर करने में सबसे आगे रहे हैं। रमेश ने कहा, असम के मुख्यमंत्री-नई दिल्ली में अपने शीर्ष नेता की तरह बदनाम करने, तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पेश करने और ध्यान भटकाने में माहिर हैं।

पाकिस्तान से 'संबंध' : असम सरकार गौरव गोगोई की पत्नी के खिलाफ अदालत जाएगी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। अपनी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के कानूनी कदम उठाने की योजना का रविवार को स्वागत करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार भी कानूनी कार्यवाही शुरू कर रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने विपक्षी दल को उसकी चुनावी हार की याद दिलाते हुए कहा, मैं अपने खिलाफ कानूनी कार्रवाई का तहे दिल से स्वागत करता हूं। दरअसल, असम सरकार भी आज से कानूनी कार्यवाही शुरू कर रही है।

गोगोई ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि वह उचित कानूनी कदम उठाएंगे। गोगोई ने शनिवार को अपनी पत्नी को असमिया में एक पत्र लिखा, जिसे उन्होंने फेसबुक पर साझा किया और उन्हें आश्वासन दिया कि ''सत्य की जीत होगी।

शर्मा ने कहा, जब तक हम पद पर हैं, हम राष्ट्र की सुरक्षा की शपथ लेने के लिए बाध्य हैं। इसलिए, मैं संबंधित सांसद को भी जल्द से जल्द अदालत जाने की सलाह देता हूं ताकि कम से कम इस मुद्दे पर न्यायिक मंच पर चर्चा हो सके।

रमेश ने अपने पोस्ट में 2026 की शुरुआत में होने वाले असम विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि करीब 12 महीनों में राज्य के लोग उन्हें (शर्मा) पूर्व मुख्यमंत्री बना देंगे और उनकी पार्टी को विपक्ष में बैठा देंगे।

शर्मा ने जवाब दिया, पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला असम की जनता करेगी, आप नहीं। मैं आपको 2014 के बाद से कांग्रेस को मिली अपमानजनक हार की याद नहीं दिलाना चाहता।

युवा वकीलों को गरीब वादियों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि युवा अधिवक्ताओं को उन वादियों की मदद के लिए आगे आना चाहिए जो साधनों या जागरूकता की कमी के कारण वकील की सेवाएं नहीं ले सकते। व्यक्तिगत रूप से एक पक्ष को कानूनी सहायता प्रदान करने वाले युवा वकील की सराहना करते हुए न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि वकीलों को अपनी पेशेवर सेवाओं के बदले में किसी भी तरह की अपेक्षा किए बिना वादी को सर्वोत्तम कानूनी सहायता प्रदान करनी चाहिए।

पीठ ने कहा, बार में शामिल होने वाले युवा वकीलों को जब भी अवसर मिले, उन वादियों की सहायता के लिए स्वेच्छा से आगे आना चाहिए जो साधनों या जागरूकता की कमी के कारण वकील की सेवाएं नहीं ले सकते। इसके अलावा, उन्हें अपनी पेशेवर सेवाओं के बदले में किसी भी तरह की अपेक्षा किए बिना वादियों को सर्वोत्तम कानूनी सहायता प्रदान करनी चाहिए। पीठ ने कहा, गरीब वादियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने के इन प्रयासों से वकील सामूहिक रूप से समाज को यह संदेश दे सकते हैं कि कानूनी पेशा न्याय तक पहुंच और कानून के समक्ष समानता के अधिकार के लिए खड़ा है, न केवल सिद्धांत रूप में बल्कि व्यवहार में भी। शीर्ष अदालत ने कहा कि व्यक्तिगत क्षमता में भी मुकदमे को सौहार्दपूर्ण ढंग से समाप्त करने के साझा उद्देश्य की दिशा में काम करते हुए, वकीलों के ऐसे प्रयास यह संदेश देंगे कि वकील, विशेष रूप से श्रम और वैवाहिक मामलों में, पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता करने की प्रक्रिया में बाधा नहीं बन रहे हैं। पीठ ने कहा, वे पक्षों को उनके विवादों को समाप्त करने में मदद करने में भी प्रभावी रूप से अपनी भूमिका निभा सकते हैं, तथा मध्यस्थता और सुलह जैसे वैकल्पिक विवाद तंत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

मामले का उल्लेख करते हुए पीठ ने कहा कि वकील संचार आनंद दो वर्षों में याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने के लिए इस अदालत के समक्ष 14 बार उपस्थित हुए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता, सीमित साधनों वाला व्यक्ति होने के कारण, वकील की सेवाओं के लिए उन्हें एक पैसा भी नहीं दे पाया।

पीठ ने कहा, वकील उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति के पैनल में भी शामिल नहीं है, ताकि उसे अपने समय और खर्च के लिए कुछ उचित पारिश्रमिक मिल सके। फिर भी, वकील इन दो वर्षों के दौरान न केवल याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने के लिए, बल्कि इस मामले में न्यायोचित और उचित निष्कर्ष पर पहुंचने में इस अदालत की सहायता करने के लिए भी समर्पित रूप से इस अदालत के समक्ष उपस्थित हुआ।

'सरकार भगदड़ को छिपाने की कोशिश कर रही, रेल मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए'

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने रविवार को केंद्र पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बर्खास्त करने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस घटना को बहुत ही हृदय विदारक बताया और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहतर योजना और प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से महाकुंभ जैसे बड़े धार्मिक समारोहों के दौरान। उन्होंने कहा, दिल्ली भगदड़ में 18 लोगों की दुखद मौत अत्यंत हृदयविदारक है। यह दर्दनाक घटना सावधानीपूर्वक योजना और प्रबंधन के महत्व को उजागर करती है, खासकर जब बात नागरिकों की सुरक्षा की हो। उन्होंने कहा, महाकुंभ के लिए जाने वाले तीर्थयात्रियों को उचित सहायता और सुविधाएं मिलनी चाहिए, न कि परेशानी होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ऐसी यात्राएं सुरक्षित और सुव्यवस्थित हों।

लालू प्रसाद ने महाकुंभ को 'अर्थहीन' बताकर विवाद खड़ा किया

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद ने रविवार को विवादित बयान देते हुए महाकुंभ को 'अर्थहीन' करार दिया और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ से हुई लोगों की मौत के लिए रेलवे को जिम्मेदार ठहराया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस भगदड़ में मरने वाले बिहार के लोगों और घायलों की सही संख्या के बारे में विस्तृत जानकारी का इंतजार है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने इस घटना को लेकर केंद्र की राजग सरकार पर निशाना साधा और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफे की मांग की। पटना में रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए लालू ने कहा, बहुत दुखद घटना घटी है... हम सब लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह रेलवे की गलती है। रेलवे के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से इतने लोगों की मौत हुई है। इस घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

लखनऊ में हास्य कलाकार अनुभव सिंह बस्सी के शो रद्द किए गए

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थानीय पुलिस द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने से इनकार करने के बाद हास्य कलाकार अनुभव सिंह बस्सी के दो कॉमेडी शो रद्द कर दिए गए हैं। यह फैसला उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव द्वारा पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को लिखे गए पत्र के बाद लिया गया है, जिसमें शो रद्द करने का आग्रह किया गया था। यादव ने बस्सी के पिछले कार्यक्रमों की विषय-वस्तु पर चिंता जताई थी और आरोप लगाया था कि उन कार्यक्रमों में महिलाओं के प्रति अनुचित भाषा और टिप्पणियों का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राजधानी के विभूति खंड स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को अपराह्न साढ़े तीन बजे और शाम सात बजे होने वाले दो शो को कानून-व्यवस्था की संभावित चिंताओं के कारण मंजूरी नहीं दी गई।

चेंज ऑफ गार्ड समारोह अब नए प्रारूप में, राष्ट्रपति मुर्मू उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन समारोह अब नए प्रारूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति भवन की पृष्ठभूमि में संगीतमय प्रदर्शन होगा। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह कहा गया। बयान में कहा गया है कि नए प्रारूप में राष्ट्रपति के अंगरक्षक दल के सैनिकों और घोड़ों के साथ-साथ 'सेरेमोनियल गार्ड बटालियन' और 'सेरेमोनियल मिलिट्री ब्रास बैंड' के कर्मियों द्वारा सैन्य अभ्यास शामिल है। यह प्रदर्शन एक बड़े क्षेत्र में होगा।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में नए प्रारूप में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। बयान में कहा गया कि यह समारोह 22 फरवरी से बड़ी संख्या में आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। चेंज ऑफ गार्ड एक प्राचीन सैन्य परंपरा है, जिसे 2007 में राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था। इसमें राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के एक नए समूह को कार्यभार संभालने का अवसर मिलता है।

अधिकारियों ने बताया कि 2012 में इस समारोह को सार्वजनिक कार्यक्रम बना दिया गया ताकि नागरिकों को इसमें शामिल होने का अवसर मिल सके। उन्होंने बताया कि पहले यह जयपुर कॉलम और गेट नंबर एक के बीच आयोजित होता था, लेकिन अब इसे अगले प्रांगण में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां दर्शकों की क्षमता एक हजार से अधिक है। आगंतुक राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट पर जाकर अपना स्थान आरक्षित कर सकते हैं।

आईपीएल कार्यक्रम: ईडन गार्डन्स पर केकेआर-आरसीबी मैच के साथ होगी नए सत्र की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें 22 मार्च से 13 आयोजन स्थलों पर 74 मुकाबले खेले जाएंगे। इस दौरान तीन फ्रेंचाइजी अपने कम से कम दो घरेलू मैच अपने दूसरे निर्धारित घरेलू मैदान पर खेलेंगी। आईपीएल के 2025 सत्र की शुरुआत 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले के साथ होगी और इसका समापन 25 मई को इसी स्थल पर होगा।

प्रतियोगिता के दौरान 12 दिन दो मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 65 दिन चलेगा जिसके मुकाबले 13 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे जिसमें धर्मशाला, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में कम से कम दो-दो आईपीएल मुकाबलों का आयोजन होगा। जैसा कि पहले भी होता रहा है मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के साथ धर्मशाला पंजाब किंग्स का दूसरा घरेलू स्थल होगा जबकि राजस्थान रॉयल्स जयपुर के अलावा गुवाहाटी में अपने घरेलू मुकाबले खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स का दूसरा घरेलू स्थल विशाखापत्तनम होगा और वे 24 मार्च को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपना लीग अभियान यहीं से शुरू करेंगे। गुवाहाटी और विशाखापत्तनम दो-दो मैच की मेजबानी करेंगे जबकि धर्मशाला में तीन मैच होंगे। सत्र में पहली बार 23 मार्च को एक दिन में दो मुकाबले खेले जाएंगे जिसमें हैदराबाद में दिन के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा जबकि इसके बाद चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा। लीग चरण के बाद हैदराबाद और कोलकाता में प्लेऑफ का आयोजन किया जाएगा। हैदराबाद 20 मई और 21 मई को क्रमशः पहले क्वालीफायर और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा जबकि 23 मई को दूसरा क्वालीफायर कोलकाता में होगा। वर्ष 2022 में 10 टीम के टूर्नामेंट में विस्तार के बाद आईपीएल अपने दो समूह के प्रारूप के साथ जारी रहेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स को एक समूह में रखा गया है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स दूसरे समूह में हैं।

बसपा का सच्चा उत्तराधिकारी कांशीराम के शिष्य जैसा होगा: मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि उनके जीते जी कोई व्यक्ति बसपा और इसके 'मूवमेन्ट' का उत्तराधिकारी तभी बन सकता है जब वह मान्यवर कांशीराम के शिष्य की तरह पार्टी व आंदोलन को हर दुःख-तकलीफ उठाकर आगे बढ़ाने में पूरे जी-जान से लगातार लगा रहे।

मायावती के इस बयान को इसलिए भी राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अभी 12 फरवरी को उन्होंने अपने भतीजे और उत्तराधिकारी आकाश आनन्द के ससुर तथा पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ समेत कई वरिष्ठ नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

आनंद (30) बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक हैं और मायावती के राजनीतिक उत्तराधिकारी हैं। आनंद को पिछले साल मायावती ने पद से हटा दिया था, लेकिन बाद में उन्हें फिर से बहाल करके अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया।

मायावती ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर रविवार को सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि बसपा देश में बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता तक पहुंचाने में लगी है।

उन्होंने कहा कि कांशीराम जी द्वारा सब कुछ त्यागकर स्थापित की गई पार्टी और इसके 'मूवमेन्ट' के लिए स्वार्थ, रिश्ते-नाते आदि से परे बहुजन-हित सर्वोपरि है। उन्होंने अगले पोस्ट में कहा, इसी क्रम में मान्यवर श्री कांशीराम जी की शिष्या व उत्तराधिकारी होने के नाते उनके पदचिह्नों पर चलते हुए मैं भी अपनी आखिरी सांस तक हर कुर्बानी देकर संघर्ष जारी रखूंगी ताकि बहुजन समाज के लोग राजनीतिक गुलामी व सामाजिक लाचारी के जीवन से मुक्त होकर अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख ने कहा कि उनके जीते जी पार्टी व आंदोलन (मूवमेन्ट) का कोई भी वास्तविक उत्तराधिकारी वही व्यक्ति हो सकता है जो श्री कांशीराम जी की शिष्या की तरह हर दुःख-तकलीफ उठाकर अंतिम सांस तक पार्टी व 'मूवमेन्ट' को आगे बढ़ाने में पूरे जी-जान से लगातार लगा रहे।

शृंखलाबद्ध पोस्ट में उन्होंने कहा कि बसपा के देशभर के छोटे-बड़े सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पार्टी अनुशासन का पालन करते हुए दायित्वों के प्रति पूरी निष्ठा व ईमानदारी से जवाबदेह होकर पूरे तन, मन, धन से लगातार काम करते रहना जरूरी है।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और पार्टी के जनाधार का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में चुनावी सफलता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के लिए बहुजन समाज पार्टी ही आशा की एकमात्र किरण है।

सुविचार

जिंदगी में सारा झगड़ा ख़्वाहिशों का हैं, न तो किसी को गम चाहिए और न ही किसी को कम चाहिए!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ड्रोन क्रांति का नेतृत्व करे भारत

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मौजूदा दौर में ड्रोन की उपयोगिता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में जो टिप्पणी की, वह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति का हिस्सा ज्यादा प्रतीत होती है। प्राय: हर सरकार पर विपक्षी दलों के नेता वैज्ञानिक क्षेत्र में पीछे रहने का आरोप लगाते ही हैं। अगर इसके साथ ये उन उपलब्धियों को भी सामने रखें, जो संबंधित क्षेत्र में उनकी सरकारों द्वारा शासित राज्यों में हासिल की गई हैं तो उनकी बात का वजन बहुत बढ़ सकता है। जहां तक ड्रोन तकनीक का सवाल है तो इसके शीर्ष निर्माता देशों की सूची में अमेरिका, चीन, तुर्किये, इज़राइल जैसे देश आते हैं, लेकिन भारत भी बहुत पीछे नहीं है। हमारे देश में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। एलओसी पर भारतीय ड्रोन मंडराते रहते हैं और पाकिस्तानी आतंकवादियों पर कड़ी नजर रखते हैं। अगर साल-डेढ़ साल में हुई मुठभेड़ों पर नजर डालें तो पाएंगे कि उनमें ड्रोन तकनीक ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसी शानदार कार्रवाइयों को अंजाम देने में ड्रोन के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता। खेती-बाड़ी के कामों में ड्रोन से बहुत फायदे हो रहे हैं। कोरोना काल में पुलिस ने कई जगह भीड़ इकट्ठी होने से रोकने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। इसी तरह अपराध नियंत्रण, हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थापना के लिए ड्रोन का इस्तेमाल हुआ है। प्रयागराज महाकुंभ में ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है। भारत इस तकनीक से अनभिज्ञ नहीं है। हां, हमारी 'उड़ान' और ऊंची होनी चाहिए। हमें इस स्थिति में होना चाहिए, जहां से ड्रोन क्रांति का नेतृत्व कर सकें।

भविष्य में ड्रोन और ज्यादा उन्नत होते जाएंगे। हमें इस क्षेत्र से जुड़ीं चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। इसके लिए आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से ऊपर उठकर ऐसा माहौल बनाना होगा, जिससे विद्यार्थियों में ड्रोन तकनीक के प्रति रुचि पैदा हो। इसके तहत स्कूली बच्चों के सामने ड्रोन का प्रदर्शन किया जा सकता है। कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जहां इस समय कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां सरकारी स्कूलों के बच्चों को ड्रोन तकनीक की जानकारी देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने चाहिएं। इससे राहुल गांधी ज्यादा अधिकारपूर्वक यह बात कह सकेंगे कि अब भाजपा शासित राज्य बेहतर कार्यक्रम करके दिखाएं। प्राय: सरकारी स्कूलों में किसानों के बच्चे पढ़ते हैं। अगर वे ड्रोन के बारे में जानेंगे तो उन्हें ऐसा 'मित्र' मिल जाएगा, जो खेती से जुड़े उनके कई काम आसान कर देगा। महानगरों में रहने वाले कई लोगों को नहीं मालूम होगा कि किसान के लिए खेतों की रखवाली करना बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। कई इलाकों में आवारा पशु और जंगली जानवर खड़ी फसल को तहस-नहस कर देते हैं। ठंड के मौसम में रात-रातभर जागने, खेतों की रखवाली करने से कई किसानों की तबीयत बिगड़ जाती है। सर्द रात में जब सभी लोग रजाइयों में दुबके हुए चैन की नींद लेते हैं, उस दौरान खेतों में टॉर्च लेकर घूमना बहुत मुश्किल होता है। कुछ इलाकों में जहां जंगली जानवर, जहरीले जीव ज्यादा विचरण करते हैं, वहां किसान उनके शिकार हो जाते हैं। जब खेतों की रखवाली में इतनी मुश्किलें होंगी तो किसान यही सोचेगा कि उसके बच्चे इस काम में न आएं तो ही अच्छा है। इससे शहरों की ओर पलायन बढ़ता है। अगर ड्रोन को किसान का साथी बना दिया जाए तो उसकी कई मुश्किलें दूर हो जाएंगी। यही नहीं, फसल पर खाद-दवाई छिड़कने, भोजन, दूध, फल, सब्जियों, चाय और जरूरी सामान पहुंचाने जैसे कामों में ड्रोन बड़ी क्रांति ला सकता है। चिकित्सा और ऑनलाइन शॉपिंग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए सभी सरकारों को मिल-जुलकर काम करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

यूएन की एक स्टडी के अनुसार, किसी देश के लोगों के पास प्रॉपर्टी राइट्स का न होना, एक बहुत बड़ा चैलेंज माना गया है। दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोगों के पास प्रॉपर्टी के कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। जबकि लोगों के पास प्रॉपर्टी राइट्स होने से गरीबी कम करने में मदद मिलती है।

-नरेन्द्र मोदी

शाहपुरा के ग्राम बाड़ीजोड़ी में स्व. प्रभुदयाल मुरारी लाल अग्रवाल मेमोरियल अस्पताल का लोकार्पण कर समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अस्पताल के माध्यम से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलेंगी।

-दीया कुमारी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भारी संख्या में उमड़ी भीड़ के कारण हुई भगदड़ में कई व्यक्तियों की असामयिक मृत्यु हो गई। इससे पहले, प्रयागराज में भी भगदड़ से कई श्रद्धालु जान गंवा बैठे थे कुल कितने लोग हताहत हुए इस बारे में किसी को भी जानकारी नहीं है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

वफादारी का हीरा

बगदाद के खलीफा के पास एक गुलाम था जिसका नाम था हाशम। वह देखने में काफी बदसूरत था। वह अपने खलीफा के प्रति वफादार था और हर वक्त उनकी सेवा के लिए तत्पर रहता था। एक बार खलीफा अपने कई गुलामों के साथ बग्घी से कहीं जा रहा था। साथ में हाशम भी था। एक जगह कीचड़ में खलीफा का घोड़ा फिसल गया। उस वक्त खलीफा के हाथ में हीरे-मोतियों की एक पेटी थी। घोड़े के फिसलने से खलीफा का हाथ हिला और वह पेटी खुल कर गिर गई। रास्ते में चारों ओर हीरे-मोती बिखर गए। खलीफा ने ऐसा शगुन माना कि यह होनी थी, लेकिन अल्लाह की कृपा से कहीं चोट नहीं लगी, जान नहीं गई। इसलिए खुश होकर उसने गुलामों से कहा, तुम सबको खुली छूट देता हूं। जाओ, जल्दी से अपने लिए हीरे-मोती बीन लो। गुलामों में हीरे-मोती उठाने की होड़ लग गई। लेकिन हाशम चुपचाप खलीफा के ही पास खड़ा रहा। तब खलीफा ने पूछा, तुमने मेरी बात नहीं सुनी क्या? तुम क्यों नहीं जा कर हीरे-मोती चुनते? हाशम ने जवाब दिया, मेरे लिए तो सबसे कीमती हीरा आप ही हैं। आपको छोड़कर कैसे जा सकता हूं! खलीफा बेहद खुश हुआ।

सामयिक

प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम् मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है। उसके हिसाब से हम सब एक डाटा प्वाइंट होते जा रहे हैं। समाज और संस्कृति की स्मृति को मिटा देना बड़ी त्रासदी है। हमें इसके प्रति आगाह रहते हुए एआई के उपयोग को सीमित करना होगा। इसी में मनुष्य के भविष्य की गुंजाइश होगी।

एआई की सौगात : संभावनाएं और चुनौतियां

गिरीश्वर मिश्र

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग की दिशा में वैज्ञानिकों और तकनीकविदों ने कमाल की बढ़त हासिल की है और उनके अभियान का क्रम लगातार जारी है। एआई बड़ा संक्रामक है और देश-काल की सीमाओं को तोड़ते-फ़लांघते वह जल, थल और अंतरिक्ष हर कहीं मनुष्य की अप्रत्याशित रूप से त्वरित पहुँच का विस्तार करता जा रहा है। वैसे तो एआई भी एक नैसर्गिक यानी स्वाभाविक मानवीय बुद्धि का ही करिश्मा है परंतु आज जिस गति से सबकुछ में निर्बाध दखल देते हुए इसके ज़रिए जो बदलाव लाए जा रहे हैं वे दुनिया का नक़्शा ही बदल रहे हैं। निर्माण अपने निर्माता की नियति तय करता दिख रहा है।

आज वर्चुअल और डिजिटल को इस तरह स्थापित किया जा रहा है कि उनके आगे सत्य और यथार्थ हिलने-काँपने लगा है। मनुष्य सत्य और असत्य (झूठ) पर भरोसा करता आ रहा है। सत्य अर्थात वह जिसका अस्तित्व है (सत) परन्तु अब नाना प्रकार के सत्य अस्तित्ववान हो रहे हैं जिनमे अपनी पसंद से चुनना होता है पर जिस भी संस्करण के सत्य उभर रहे हैं उनके पीछे आ आई का हाथ ज़रूर होता है। वैसे तो किसी भी तरह के चुनाव का आधार मुख्य नियामक होता है ताकि होड़ लेते विभिन्न सत्यों के कई प्रत्याशियों के बीच असली या उपयोगी सत्य को खोज कर पहचाना जा सके। सत्य के साथ स्थिरता, निरंतरता और सातत्य या फिर अपरिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता जैसे मानक भी स्वाभाविक रूप से जोड़ दिए जाते रहे हैं। परम और नित्य सत्य की परिकल्पना हमें ईश्वर के क़रीब पहुँचा देती है।

आज जब सत्य के निर्माण की छूट मिल रही है तो उसके कई परिणाम सामने आ रहे हैं। सारी क़ानूनी मशीनरी सत्य का बाजार चला रही है। वह प्रमाण और साक्ष्य के माध्यम से मुकदमा चलने के दौरान मुल्तबी सत्य को अपने बल पर सत्य के खाँचे में फिट कर देती है। वकील और गवाह मिल कर सत्य रचते और तय करते हैं और वह जज के सत्यबोध से मेल खा जाए तो वह सुच्चा या निखालिस सच बन जाता है। यह दृष्टि सत्य की अस्थिरता या सापेक्षिकता और अन्ततः बहुलता की तरफ़ ले जाती है जिसके अच्छे-बुरे दोनों तरह के परिणाम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत आगे जा रही है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता के उपयोग के अवसरों और अभ्यासों को जिस तरह बदल रही है उससे हमारी आदतें, व्यवहार शैली और जीने का अंदाज़ सबकुछ बदलता जा रहा है। इस तरह का व्यापक नवाचार हमारी अपने बारे में समझ को भी बदल रहा है। मनुष्यता के स्वभाव, बच्चों के पालन-पोषण, पढ़ाई-लिखाई आदि मनुष्य के रूप में निर्माण जैसे जरूरी उपायों के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। जीवन में एआई प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर तरफ़ उपस्थित है। पिछले कुछ दिनों में डीप फेक और साइबर अरेस्ट जैसी घटनाओं ने एआई के उपयोग के अतिरेक से पैदा हो रही तमाम मुश्किलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनका संबंध जीवन की गुणवत्ता से है। एआई की पहुंच का विस्तार या रेंज बढ़ता ही जा रहा है। निजी जीवन में उसकी दखल दुरभिसंधि, भयादोहन, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, आर्थिक घोटाले और व्यापार जगत सबको संत्रस्त करने वाला साबित हो रहा है।

एआई के उपयोग से काम में सुभीता, शीघ्रता और मात्रा को ध्यान में रखते हुए आज विभिन्न देशों में अपनी एआई की क्षमता बढ़ाने के लिए होड़ मची हुई है। भारत भी इसमें शामिल हो रहा है। औद्योगिक क्रांति जैसी क्रांति का लाभ न पाकर हम अब यह सोच रहे हैं कि एआई क्रांति से बड़ी लम्बी छलांग लगा लेंगे- यह आकर्षक पर ख़तरनाक हो सकता है। कुछ दिन पहले भारतीय मूल के नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक वेंकी रामकृष्णन ने जयपुर में बोलते हुए स्पष्ट रूप से एआई की संभावनाओं के साथ इससे जुड़े बड़े ख़तरों की ओर ध्यान खींचा, शायद उससे निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता काफ़ी न होगी। उसके किए समानुभूति, इतिहास और संस्कृति की समझ की भी दरकार होगी। बिना उस व्यापक संदर्भ के हमारे समाधान छिछले, संकुचित और नुक़सानदेह हो सकते हैं। सबकुछ तकनीक विशारदों पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई के नैतिक और सामाजिक आयाम भी हैं। शिक्षा में वे मानविकी और विज्ञान परौद्योगिकी दोनों को महत्व देने की वकालत कर रहे थे। तकनीकी और मानविकी के बीच की खाई पाटी जानी चाहिए। एआई का नियंत्रित उपयोग वहां हितकारी हो सकता है वहां कार्य क्षमता, उत्पादकता आदि ज़रूरी हों। हमें पूरा सच देखना होगा।

प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है। उसके हिसाब से हम सब एक डाटा प्वाइंट होते जा रहे हैं। समाज और संस्कृति की स्मृति को मिटा देना बड़ी त्रासदी है। हमें इसके प्रति आगाह रहते हुए एआई के उपयोग को सीमित करना होगा। इसी में मनुष्य के भविष्य की गुंजाइश होगी। (हि.स.)

नजरिया

क्यों है सवालों के घेरे में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी?

अशोक भाटिया

जेईई-मेन आईआईटी में पहला कदम है और देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अखिल भारतीय सीटों को भरने के लिए इसके अंकों पर भी विचार किया जाता है। स्वाभाविक रूप से, देश भर से लगभग 15 लाख छात्र हर साल परीक्षा के लिए बैठते हैं। परीक्षा दो सत्रों में होती है, जिनमें से एक जनवरी में हुई थी, जिसे हाल ही में घोषित किया गया था और दूसरा अप्रैल में।

जेईई मेन 2025 सत्र एक का रिजल्ट घोषित हो चुका है, जिसमें राजस्थान के आयुष सिंघल) ने टॉप किया है, दूसरे नंबर पर कर्नाटक के कुशाग्र गुप्ता और तीसरे नंबर पर दिल्ली के दक्ष का एनटीए स्कोर 100 रहा है। वहीं जेईई मेन रिजल्ट को लेकर एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (छ्ढ-) पर एक बार फिर से आरोप लग रहे हैं। दरअसल एनटीए ने त्रुटियों के कारण जेईई मेन 2025 फाइनल आंसर-की से 12 प्रश्नों को हटा लिया है, जो अब तक के इतिहास में सबसे अधिक है। ऐसे में एनटीए की निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा आयोजित करने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रश्नों की कुल संख्या 90 से घटाकर 75 करने के बावजूद, त्रुटि दर बढ़कर 1।6% हो गई, जो ऐतिहासिक 0।6% से लिमिट से कहीं अधिक है। एनटीए की पारदर्शिता की कमी है, हटाए गए प्रश्नों की संख्या के बारे में इसके दावों में असंगतता है, जिससे अंडर-रिपोर्टिंग का संदेह पैदा होता है। एनटीए के महानिदेशक पी एस खारोला ने मीडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया। शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए से एक जवाब भेजा है जिसमें पाठ्यक्रम विसंगति की चिंताओं को नजरअंदाज किया गया है, जिससे इसकी जवाबदेही के बारे में संदेह गहरा गया है।

एनटीए ने दावा किया कि 2023, 2024 और 2025 के सत्र 1 में छह प्रश्न हटाए गए थे, लेकिन 2025 की आंसर-की में 12 हटाए गए प्रश्न सूचीबद्ध हैं। टीओआई के विश्लेषण में पाया गया कि 2023 के सत्र 1 में पांच प्रश्न हटाए गए थे, जबकि 2022 के सत्र 1 और 2 में क्रमशः चार और छह प्रश्न हटाए गए थे। फरवरी और मार्च 2021 की परीक्षाओं में कोई प्रश्न नहीं हटाया गय।। इसके बावजूद, एजेंसी ने अपना बचाव करते हुए कहा, इस साल की रिकॉर्ड-कम चुनौती दर और न्यूनतम त्रुटियां देश भर में इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटि-मुक्त परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए छ्ढ- की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।

देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न छूट जाने से संबंधित छात्रों और शिक्षकों के बीच चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन अगर राष्ट्रीय प्रणाली, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को आईआईटी प्रवेश परीक्षा में दर्जनों प्रश्नों को छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है क्योंकि यह गलत है, तो सवाल केवल उच्च शिक्षा के बारे में उठते हैं। पिछले साल नीट-यूजी पेपर लीक के कारण प्रसिद्ध था। अब, जेईई-मेन के अवसर पर, इस साल के प्रवेश परीक्षा सत्र के विवाद परीक्षा प्रणाली की गलतियों के साथ शुरू हो गए हैं जो प्रश्न पूछ रहे हैं। जेईई-मेन परीक्षा में की गई गलतियां। हालांकि, मुख्य सवाल यह है कि परीक्षा आयोजित करने वाले सिस्टम कुशल क्यों नहीं हैं और इसलिए इस पर टिप्पणी करने की आवश्यकता है।

जेईई-मेन आईआईटी में पहला कदम है और देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अखिल भारतीय सीटों को भरने के लिए इसके अंकों पर भी विचार किया जाता है। स्वाभाविक रूप से, देश भर से लगभग 15 लाख छात्र हर साल परीक्षा के लिए बैठते हैं। परीक्षा दो सत्रों में होती है, जिनमें से एक जनवरी में हुई थी, जिसे हाल ही में घोषित किया गया था और दूसरा अप्रैल में। प्रणाली के अनुसार, एक प्रश्न पत्र को देश भर में मुद्रित और वितरित किया जाना है, इसलिए परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र के पैर टूटने की संभावना कम है। इस अर्थ में, यह एक अच्छा तरीका है। हालांकि, यह थोड़ा जटिल है कि अलग-अलग सत्रों में अलग-अलग, लेकिन समान रूप से कठिन, प्रश्नों की आवश्यकता होती है। बेशक, पेपर लीक से बचने के लिए वह भी आवश्यक है। संक्षेप में, एक ही प्रवेश परीक्षा के लिए सैकड़ों प्रश्न तैयार करना जिम्मेदारी है। लेकिन, अगर उनमें से केवल बारह गलत हैं, तो यह कहना हास्यास्पद है, क्योंकि, 'एनटीए जैसी स्वायत्त संस्था से इस विषय पर बहुत सारे सवाल पूछने की जिम्मेदारी लेने की उम्मीद की जाती है। वास्तव में, यह संस्थान की स्थापना के उद्देश्यों में से एक है, जिसके लिए उनके पास देश भर से विषय विशेषज्ञ भी उपलब्ध हैं।

इस वर्ष, जेईई-मेन के पहले सत्र के बाद प्रकाशित उत्तर पुस्तिका पर उठाई गई आपत्तियों को सत्यापित करने के बाद, एनटीए ने अंतिम उत्तर सूची प्रकाशित की और 12 प्रश्नों को छोड़ दिया। इसका मतलब है कि प्रश्न पत्र में 12 प्रश्न गलत थे। भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के 25 प्रश्नों में से कुछ गलत थे और कुल 12 प्रश्न गलत थे। परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी छात्रों को इन 12 प्रश्नों के पूर्ण अंक मिलेंगे, चाहे छात्र ने प्रश्न हल किया हो या नहीं। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंकों के अनुसार सभी को 48 अंक मिलेंगे। चूंकि सत्र अलग-अलग हैं, इसलिए पर्सेंटाइल का समग्र परिणाम पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, प्रश्न में गलतियों के कारण कई नए प्रश्न उठाए जा रहे हैं। इनकी तीव्रता कम नहीं होती।

जबकि जनवरी में परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी 12।5 लाख छात्रों को 48 अंक मिलेंगे, क्या होगा यदि कुछ छात्रों ने इन 12 प्रश्नों को हल करने के लिए बहुत शोर मचाया और इससे उन्हें अगले कुछ प्रश्नों को हल करने के लिए बहुत कम समय मिला, या अगले प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए ज्यादा समय नहीं मिला और शायद वे अपने उत्तर से चूक गए? माना कि ऐसी घटनाओं को मापा नहीं जा सकता, लेकिन हम इस बात से कैसे इनकार कर सकते हैं कि ऐसा हो सकता था और एनटीए द्वारा उठाए गए गलत सवाल इसके लिए जिम्मेदार थे? छ्ढ-, एक स्वायत्त निकाय, यह सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया था कि प्रवेश परीक्षा अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से आयोजित की जाए। छ्ढ- ने अपनी वेबसाइट पर विषय विशेषज्ञों, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और सुरक्षा पेशेवरों की मदद से परीक्षा प्रणाली में खामियों को दूर करने के अपने इरादे की भी घोषणा की है। ऐसा क्या है यदि ऐसी गलतियाँ लापरवाही का संकेत नहीं हैं, ऐसी गलतियाँ लापरवाही की निशानी नहीं हैं, जिसके लिए अंग्रेजी में प्रश्न पत्र में एक ही उत्तर का विकल्प सही है, जिसके लिए भारतीय भाषाओं में प्रश्न पत्र में सही उत्तर के दो विकल्प उपलब्ध हैं? पिछले साल, उसी छ्ढ- द्वारा आयोजित छ्एएढ परीक्षा में अनियमितताएं थीं। कई छात्रों, विशेष रूप से कुछ केंद्रों के छात्रों को प्राप्त अंकों पर कई संदेह थे। यहां तक कि अगर पूरी परीक्षा फिर से आयोजित नहीं की गई थी, तो संदेह दूर नहीं हुए थे। क्या यह कहा जाना चाहिए कि ईमानदारी से परीक्षा देने वालों को परीक्षा प्रणाली द्वारा माना गया था?

यह सिर्फ जेईई-मेन में हुई 12 गलतियों का सवाल नहीं है, यह एनटीए की विश्वसनीयता और पारदर्शिता के बारे में है। एनटीए जेईई-मेन, एनईईटी, यूजीसी-एनईटी, जेएनयू प्रवेश परीक्षा, जीपीएटी, सीमैट, आईसीएआर की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा, आईआईएफटी की प्रवेश परीक्षा, पीएचडी और इग्नू की ओपनमैट परीक्षा सहित विभिन्न प्रबंधन पाठ्यक्रमों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा सहित विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं आयोजित करता है। इन सभी प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता हर साल होने वाली गड़बड़ियों के कारण दांव पर है। यह स्नातक प्रवेश परीक्षाओं के लिए छ्ढ- जैसी स्वायत्त संस्था की स्थापना की समस्या का हिस्सा है। दूसरा और भी कठिन है। हमारे देश में यथास्थिति के अनुसार कौन सी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं? कक्षा 12 और 10 की परीक्षा में, अभी भी सामूहिक नकल के बारे में सख्त चेतावनी है, फिर भी नकल है। यह ठीक है कि परीक्षा प्रणाली को दोष नहीं दिया जा सकता है, लेकिन 'उन लोगों के बारे में क्या जिन्होंने ईमानदारी से परीक्षा दी?' यही सवाल भी बना हुआ है।

अगला सवाल यह है कि परीक्षा देने वालों की परवाह कौन करता है और जो ऐसा करने में असफल नहीं होते हैं। यही एकमात्र प्रश्न है जो हमारी प्रणालियों की जटिलता को दर्शाता है। यूपीएससी, एमपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में प्रश्न, वे कब से आयोजित की जाएंगी और क्या आयोजित की जाएंगी, उम्मीदवारों की पीठ छोड़ना बंद नहीं किया है। इन सभी परीक्षाओं के लिए देश भर के लाखों छात्र बैठते हैं। इन छात्रों को अच्छी तरह से तैयारी करने में सक्षम होना चाहिए।इसके लिए इन छात्रों के अभिभावक पढ़ाने के लिए लाखों रुपये खर्च करते हैं। इसके लिए मकान और जमीन गिरवी रखकर पैसा जुटाया जाता है। ये सब एक अच्छे करियर के सपने को पूरा करने के लिए है। ऐसे कई लोग हैं जो दूसरी बार परीक्षा में बैठते हैं क्योंकि उन्हें पहले प्रयास में कम अंक मिले थे। क्या शरा रसशपलळशी को वास्तव में पता है कि हम कितने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ खेल रहे हैं, प्रश्न पत्र में इतनी गलतियाँ करके, कदाचार पर अंकुश लगाने में असफल होकर? इसने छात्रों के मन में पूरी तरह से परीक्षा प्रणाली के प्रति अविश्वास पैदा कर दिया है। जिस देश में कई बेईमान परीक्षार्थी हैं कई ईमानदार छात्र हैं वहां सिस्टम को परीक्षा की गंभीरता को भी समझना चाहिए और शासन में सुधार करना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भीड़

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोगों की भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

अमेरिका-भारत के संबंध मजबूत हो रहे, राणा का प्रत्यर्पण स्वागत योग्य फैसला : पूर्व राजनयिक

नई दिल्ली/भाषा। देश के कई पूर्व भारतीय राजनयिकों ने एकसुर में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में संपन्न अमेरिका यात्रा 'बहुत सफल' रही जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इन राजनयिकों ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के वाशिंगटन के कदम का स्वागत किया।

मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 13 फरवरी को व्यापक वार्ता हुई। अमेरिका की अपनी यात्रा के समापन के बाद मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बैठक 'शानदार' रही और उनके साथ वार्ता 'भारत-अमेरिका' के बीच मित्रता को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी।

विदेश नीति के विशेषज्ञों, थिंक टैंक और कई पूर्व राजनयिकों ने इस यात्रा पर बारीकी से नजर रखी। ट्रंप के 20 जनवरी को राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण के तीन सप्ताह बाद दोनों नेताओं में यह वार्ता हुई।

वर्ष 2017 से 2020 तक नीदरलैंड में भारत के राजदूत के रूप में कार्य करने वाले वेणु राजमणि ने इस यात्रा को 'किसी भी मानक के लिहाज से एक बड़ी सफलता' करार दिया। उन्होंने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, संयुक्त बयान बहुत प्रभावशाली है... इसमें भविष्य पर केंद्रित साझेदारी पर जोर दिया गया है। भारत और अमेरिका ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने रणनीतिक संबंधों को व्यापक बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के बाद घोषणा की कि वाशिंगटन अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के हिस्से के रूप में नई दिल्ली को एफ-35 लड़ाकू विमान प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। दोनों नेताओं ने आईएनडीयूएस (इंडस) 'इनोवेशन ब्रिज' का भी शुभारंभ किया, जिसे रक्षा अनुप्रयोगों के लिए सफल 'इंडस-एक्स' मंच के आधार पर तैयार किया गया है। 'इंडस' नवोन्मेष का उद्देश्य अंतरिक्ष, ऊर्जा और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ ट्रंप की बातचीत पर, राजमणि ने दावा किया कि ''युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह रूस की शर्तों पर खत्म होगा।

व्हाइट हाउस द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने सहयोग के प्रमुख स्तंभों में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए एक नई पहल - 21वीं सदी के लिए 'अमेरिका-भारत कॉम्पैक्ट' की शुरुआत की है। कॉम्पैक्ट (सीओएमपीएसीटी) से आशय सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों के सृजन से है।

इसमें कहा गया है, उन्होंने भारत की रक्षा आवश्यकताओं को तेजी से पूरा करने के लिए भारत में जैवलिन टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल और हमलावर पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों के लिए इस साल नई खरीद और सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने की योजना की घोषणा की।

राजमणि ने कहा, हमारे संबंधों में रक्षा का प्रमुख स्थान है और यह खरीद से कहीं अधिक है। प्रौद्योगिकी सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वायत्त प्रणाली उद्योग गठबंधन (एएसआईए) शुरू किया गया है।

कई अन्य राजनयिकों ने भी मोदी की यात्रा के दौरान घोषित 'मिशन 500' को रेखांकित किया जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

पूर्व भारतीय राजदूत ने कहा कि यह एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है और केवल निजी क्षेत्र ही इसे पूरा कर सकते हैं और यह सरकार का काम नहीं है कि वह तय करे कि व्यापार कैसे चलेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुंभ के लिए प्रयागराज हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत किया।

संगम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान ने लगाई डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर।महाकुंभ में रविवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और धर्मेंद्र प्रधान, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं उत्तर प्रदेश के मंत्री राकेश सचान, योगेंद्र उपाध्याय और दयाशंकर सिंह ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। संगम में पत्नी के साथ स्नान करने के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मीडिया से कहा, ''गंगा में स्नान और दर्शन पूजन बहुत अच्छे से हुआ। हमारे शहर नागपुर से हजारों की संख्या में लोग अपनी गाड़ियां लेकर यहां आ रहे हैं। हमें लगता है कि गंगा मां का आशीर्वाद सबको मिलेगा।''

वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संगम में स्नान के बाद कहा, ''संगम में स्नान कर आशीर्वाद प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक ऊर्जा और एकता का सबसे बड़ा संगम है।'' इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के मंत्री राकेश सचान, योगेंद्र उपाध्याय और दयाशंकर सिंह ने भी त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा, ''हम संगम में डुबकी लगाने के बाद एक अलग प्रकार का अनुभव कर रहे हैं। देश-विदेश से यहां आकर डुबकी लगा रहे लोगों को मेरी ओर से बधाई।''

मंत्री राकेश सचान ने कहा कि महाकुंभ का यह आयोजन भारतीय संस्कृति की अखंडता और शक्ति का प्रतीक है। वहीं, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि यह आयोजन उनके लिए केवल स्नान का अवसर नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के मूल तत्वों को आत्मसात करने का माध्यम भी है। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि महाकुंभ न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने भारत को 'सौर महाशक्ति' बताया

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने भारत को एक 'सौर महाशक्ति' कहा है। उन्होंने भारत से अपनी सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी जलवायु योजना विकसित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में उछाल को और अधिक मजबूती से अपनाने से भारत की आर्थिक उन्नति को गति मिलेगी।

'ईटी ग्लोबल बिजनेस समिट' में भाग लेने के लिए भारत आए स्टील ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जहां कुछ सरकारें केवल बातें करती हैं, वहीं 'भारत काम करता है।

उन्होंने कहा, भारत पहले से ही एक सौर महाशक्ति है, 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले केवल चार देशों में से एक है... ऊर्जा की पहुंच बढ़ रही है और देशभर के गांवों में 2018 तक बिजली पहुंचा दी जाएगी, जो तय समय से काफी पहले है।

स्टील ने कहा, अब अगला कदम उठाने और भारत के 1.4 अरब लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए और भी बड़े लाभ प्राप्त करने का वास्तविक अवसर है। भारत पहले से ही इस दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है, लेकिन वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा उछाल को और भी मजबूती से अपनाने से भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

स्टील ने कहा कि भारत के पास एक ऐसा अवसर है जो केवल कुछ ही देशों के पास है। यह है 'नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के सैकड़ों गीगावाट को तैनात करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करना' हरित औद्योगिकीकरण की एक नई लहर का नेतृत्व करना, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, विस्तार और निर्यात करना। उन्होंने कहा कि विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जलवायु योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने कहा कि भारत के नेताओं के पास समग्र अर्थव्यवस्था औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का एक दुर्लभ अवसर है, जो तेजी से विकासशील दक्षिण एशियाई राष्ट्र को स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति बना देगा।

अस्पताल में भर्ती पोप के स्वास्थ्य में सुधार, उपचार जारी : वेटिकन

रोम। श्वांस नली में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती पोप फ्रांसिस ने बीती रात अच्छी नींद ली, जिसके बाद शनिवार सुबह उन्होंने नाश्ता किया और किताबें पढ़ीं। वेटिकन ने यह जानकारी दी।

वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी ने बताया कि 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस ने शनिवार सुबह नाश्ता किया और अपने इलाज के तहत दवाई लेने के बाद समाचार पत्र पढ़े।

पोप फ्रांसिस को शुक्रवार को 'ब्रोंकाइटिस' के उपचार के लिए रोम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोप के अस्पताल में भर्ती होने के कारण कम से कम सोमवार तक के उनके सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

वेटिकन ने कहा था कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पोप फ्रांसिस को श्वांस नली में संक्रमण है और उन्हें हल्का बुखार है, लेकिन उनकी हालत ठीक है।

'केसरी चैप्टर 2': द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग 18 अप्रैल को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2': द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग 18 अप्रैल को रिलीज होगी। भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास के सबसे जघन्य अध्याय जलियांवाला बाग नरसंहार की कहानी जल्द ही बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार आर माधवन और अनन्या पांडे की मुख्य भूमिका होगी। बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर ब्रिटिश हकूमत के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने वाले दिग्गज बैरिस्टर सी शंकरन नायर पर आधारित फिल्म

केसरी चैप्टर 2': द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग बना रहे हैं।इस फिल्म में शंकरन नायर का किरदार अक्षय कुमार निभाते नजर आयेंगे। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म पहले इस वर्ष 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। अब यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया पर 'केसरी चैप्टर 2': द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग की रिलीज डेट शेयर की है।तरण आदर्श के पोस्ट के अनुसार 'केसरी चैप्टर 2': द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

जीतेन्द्र को प्रतिष्ठित 'ज्येष्ठ नागरिक' सम्मान से सम्मानित किया गया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज सुपरस्टार जीतेन्द्र को 'ज्येष्ठ नागरिक' सम्मान से सम्मानित किया गया। जीतेन्द्र को हाल ही में खासदार जेष्ठ नागरिक संकुलन महोत्सव में जेष्ठ नागरिक के रूप में सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन में जीतेन्द्र के भारतीय सिनेमा में दिए गए योगदान को सेलिब्रेट किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। उनके साथ कई खास मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों ने इस समारोह की शोभा बढ़ाई। ज्येष्ठ नागरिक सम्मान उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने समाज में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। कार्यक्रम में मंत्री नितिन गडकरी ने जीतेन्द्र की जबरदस्त उपलब्धियों की तारीफ की और नई पीढ़ी को प्रेरित करने के उनके लगातार किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। जीतेन्द्र ने कहा,मैं पूरे 18 साल गिरगांव की चॉल में रहा। वहां की छोटी-सी दुनिया में इतना प्यार मिला कि आज भी वो यादें दिल में बसी हैं। अब मैं 83 साल का हो गया हूं, लेकिन यदि मुझसे पूछा जाए कि मेरी ज़िंदगी का सबसे सुनहरा दौर कौन-सा था, तो मैं बिना सोचे कहूंगा,वो चॉल वाले दिन।

मैं एक जूनियर आर्टिस्ट था, और मेरा पहला ब्रेक भी मुझे इसी वजह से मिला क्योंकि शांता राव बाप को ये मज़ेदार लगा कि एक पंजाबी लड़का इतनी साफ़ मराठी कैसे बोल सकता है। असल में, मैं सिर्फ़ 15 दिन का था जब मेरी माँ मुझे बॉम्बे, गिरगांव लेकर आई थीं, और 18 साल तक वहीं पला-बढ़ा। सच कहूं तो मैं किसी भी चीज़ से ज़्यादा महाराष्ट्रियन हूँ। आज ये सम्मान पाकर दिल भर आया है। आप सबका दिल से शुक्रिया।

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'आशिकी 3' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म 'आशिकी 3' का टीजर रिलीज हो गया है। वर्ष 1990 में महेश भट्ट ने राहुल रॉय और अनु अग्रवाल को लेकर सुपरहिट फिल्म आशिकी बनायी थी। वर्ष 2013 में महेश भट्ट ने आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर को लेकर आशिकी 2 बनायी। आशिकी 2 भी सुपरहिट साबित हुयी। अब आशिकी 3 बनायी जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। फिल्म 'आशिकी 3' का टीजर रिलीज हो गया है,जिसने सोशल मीडिया पर फैंस को उत्साहित कर दिया है।टीजर में कार्तिक के साथ श्रीलीला नजर आ रही है।पहले कहा जा रहा था कि इस फिल्म का हिस्सा तृप्ति डिमरी होंगी। हालांकि टीजर से पता चल रहा है कि आशिकी 3 में श्रीलीला होगी।

फिल्म 'आशिकी 3' के टीजर में कार्तिक आर्यन एक अलग ही लुक में दिख रहे हैं।वह एक रॉकस्टार के रूप में दिखे हैं।उनके बाल लंबे है और घनी दाढ़ी है।

स्टेज पर वह मुंह में सिगरेट, हाथ में गिटार लिए 'तू मेरी जिंदगी है' सॉन्ग गाते दिख रहे हैं।उनकी आंखों में दर्द साफ झलक रहा है। गाने के दौरान उसे श्रीलीला की याद आती है, जिसके साथ रोमांटिक पल बिताते नजर आते हैं।कार्तिक ने सोशल मीडिया पर टीजर को कैप्शन में लिखा, इस दीवाली।

विक्रांत मैसी ने बच्चों को दिया क्रिएटिविटी विद पॉजिटिविटी का मंत्र

नई दिल्ली/एजेन्सी

'परीक्षा पे चर्चा' के 6वें एपिसोड में अभिनेता विक्रांत मैसी शामिल हुए। एक्टर ने मिशन क्रिएटिविटी विद पॉजिटिविटी या अपने काम के साथ पॉजिटिव कैसे रहें, इस पर चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को पावर टूल जर्नलिंग, पावर ऑफ विजुअलाइजेशन का मंत्र भी दिया। ये भी कहा कि अपनी कोशिशों को नजरअंदाज न करें उन्हें पूरा सम्मान दें। बच्चों संग बातचीत के दौरान अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा, बच्चों, आप सब बहुत लकी हो कि आज आपके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'परीक्षा पे चर्चा' है। हमारे समय में इतनी सुविधा नहीं थी। हमारे बचपन में कर्फ्यू जैसा माहौल होता था परीक्षा के दौरान। हम पूरे साल खेल खेलते थे, मगर परीक्षा में खेल का सवाल ही नहीं उठता था। हमारे समय में केवल टीवी हुआ करता था और केबल भी काट दिया जाता था।

आज के समय में प्ले टाइम मोबाइल से जुड़ गया है और हमारे समय में ये मैदान से जुड़ा रहता था। बच्चों, पीएम मोदी भी कहते हैं कि जो प्रेजेंट है, वो आज के समय में सबसे खास प्रेजेंट है। विक्रांत ने पेरेंट्स के लिए कहा, बच्चों पर अनजाने में दबाव न बनाएं। उनकी स्किल्स को पहचानें, नंबरों के पीछे ना भागें। नजरें नीचे और सोच ऊपर रखें। विक्रांत ने बच्चों संग पावर ऑफ विजुअलाइजेशन भी किया। उन्होंने बच्चों से कहा, एक लड़का रहता है जो साइकिल से चलता है। एक समय पर उसे कोई पहचान वाला मिलता है और फिर वह रुकता है, नमस्कार करता है, फिर आगे बढ़ जाता है। कहानी सुनाने के बाद विक्रांत ने बच्चों से पूछा, 'आप लोग बताइए कि आपने किस रंग की शर्ट देखी।'

सब ने अलग-अलग रंग की शर्ट देखी होगी और पढ़ाई या किताबों के साथ भी ऐसा ही होता है। एक ही किताब आप सब पढ़ेंगे, मगर विजुअलाइज अलग-अलग तरह से करेंगे। विक्रांत ने पावर टूल जर्नलिंग के बारे में भी बच्चों को बताया। उन्होंने कहा, आपको कुछ नहीं करना है, बस आपको दिन में 10 मिनट या हफ्ते में 40 मिनट निकालने हैं और आपको उन चीजों के बारे में सोचना है और उसे लिखना है, जो आप लाइफ में अचीव करना चाहते हैं। आप अपनी खुशियां, निराशा और लक्ष्य पर लिखें। आपने दिन भर क्या किया, उसके लिए यदि आप लिखने लगते हैं, तो ये भी एक तरह का मेनिफेस्टेशन है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 17-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्ञानयोग, ध्यानयोग, तपयोग आदि कठिन हैं। भगवान की भक्ति में मन को एकाग्र कर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। भगवान के प्रति अनन्य प्रीति और समर्पण की भूमिका भक्ति को सार्थक करती है। जैनदर्शन में वर्णित भगवान का स्वरूप समझने जैसा है। जो सर्वदोषों से रहित, राग-द्वेष मुक्त आत्मा हो, सिर्फ उन्हीं को जैनदर्शन में भगवान माना जाता है। ऐसे परमात्मा की निष्काम भक्ति ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए जैनदर्शन के अनुसार भगवान और देवी-देवता में मौलिक अंतर है। यहां भगवान का स्थान सर्वोपरि है।

जैनलॉजी परीक्षा में 2300 विद्यार्थियों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित आल इंडिया जैनोलोजी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस पाठयक्रम में जैन धर्म, श्रमण संस्कृति के प्राचीन धर्म, जैन धर्म के सिद्धांतों और दर्शन विषय पढ़ाया जाता है। जैनधर्म के सर्वांगीण आंकलन के लिए मार्गदर्शन कराने वाला यह कोर्स जैनत्व की वास्तविक क्रांति का प्राकट्य करने का सर्व प्रथम चरण है।

आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित जैनोलोजी कोर्स की परीक्षा रविवार को 170 केन्द्रो में आयोजित की गई। डॉ.निर्मला जैन के मार्गदर्शन पर पूरा यह जैनोलोजी कोर्स तैयार किया गया हैं। चेन्नई में यह परीक्षा चूलै, वेपेरी, अन्नानगर, अष्टापद, मयलापुर, कोरुक्खपेट, पेरंबूर किलपॉक, नार्थ टाउन बिन्नी आदि कई केन्द्रो में हुई ।

इस परीक्षा में करीब आल इंडिया से 2300 विद्यार्थियों ने अलग अलग केन्द्रों से हिस्सा लिया। यह जैनोलोजी कोर्स डिप्लोमा के माध्यम से त्रिवर्षीय, एक वर्षीय, जैन विद्या व कर्म ग्रन्थ विषय में होता है।

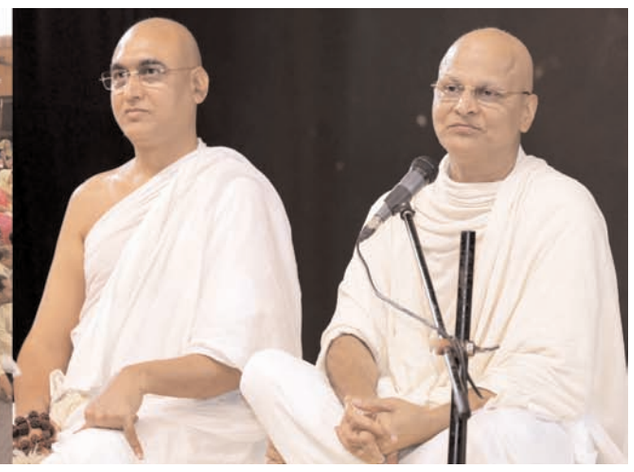

'गलत नीति-रीतियों से बचना चाहिए समाज को'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। डॉ. एम. विश्वेश्वरैया मार्ग पर स्थित कुवेंपु रंग मंदिर में जैनधर्म के सभी संप्रदायों की संयुक्त धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि दान की घोषणा कर धनराशि तत्काल जमा करवाई जानी चाहिए। जो दान देने के बाद भी धनराशि पर अपना अधिकार रखते हैं वह निकृष्ट पाप प्रवृत्ति है। सामाजिक-धार्मिक स्थानों पर धर्म के नीति-नियमों के विरुद्ध कोई आचरण नहीं होनी चाहिये। जो लोग सामाजिक-धार्मिक स्थानों पर रात्रिभोजन, शराब, जुआ और किराए की डांसर आदि बुराइयों को लाने के समर्थक हैं, वे अपने समाज व धर्म को बिलकुल सुरक्षित नहीं रख पाएंगे। किसी भी कीमत पर समाज की शादियों में शराब, धूम्रपान, हुक्का, जुआ आदि को मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। ऐसे कुकृत्यों के हिमायती लोगों को समाज से बाहर धकेल कर ही समाज को स्वच्छ और सुरक्षित रखा जा सकता है। जो लोग चार और पांच सितारा होटलों में अपने कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं, वे समाज की गौरवशाली उज्वल परंपराओं को धूमिल कर उसकी गरिमा को समाप्त कर रहे हैं। आज नहीं तो कल श्रीमंत वर्ग की यह दिखावे की मानसिकता उन्हें और समाज को भारी नुकसान पहुंचाएगी।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी समाज का अस्तित्व और उसका विकास संपत्ति तथा बुद्धि से नहीं, उसकी नीति-रीतियों से होता है। गलत नीतियां समाज के भविष्य को अंधकारमय बना देती हैं। समाज में छोटे-बड़े, सामान्य-विशेष, सभी वर्गों के लोग होते हैं। सबकी बुद्धि, क्षमता, संपत्ति और सामर्थ्य एक जैसे नहीं होते। ऐसे में सबके हितों का चिंतन करके ही समाज को अखंडित, प्रगतिशील और स्वच्छ रखा जा सकता है। भेदभाव और पक्षपात समाज के अस्वस्थ होने के सबूत हैं। समाज की अच्छी और बहुहितकारी नीति-रीतियां ही उसकी परिपक्वता का निर्धारण करती है।

इसलिये यह आवश्यक है कि समाज कुछ गिने-चुने प्रभावशाली लोगों की मनमानी का भोग ना बनें। समाज को प्रगतिशील और परिपक्व बनाने के लिए लोगों का जागरूक और सामाजिक संगठन का मजबूत होना भी अत्यंत जरूरी है। जिसका सांगठनिक ढांचा कामजोर होता है और जिस समाज का प्रबुद्ध वर्ग उदासीन होता है, वह समाज आपसी विवादों और मनमानियों में तबाह हो जाता है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने आगे कहा कि अंतरजातीय विवाहों को मिलती सामाजिक सहमति भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक तरफ जहां समाज में कन्याओं की संख्या कम हैं और पर्याप्त उम्र होने के बाद भी युवकों को कन्याएं नहीं मिल रही है, ऐसी विकट स्थिति में अंतरजातीय विवाहों को मिल रही सहमति भारी सामाजिक असंतुलन पैदा करेगी। इससे समाज में पाखंड बढ़ेगा और समाज रुग्ण बन जाएगा। वर्तमान में यह समस्या समाज की बहुत बड़ी चिंता का विषय है।

शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के मेट्टूपलायम रोड में नए हाईवेयर बाजार 'पेगलर इन्ट्रियो प्राइवेट लिमिटेड' नामक नए शोरुम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष और कोयंबतूर साउथ की विधायक वनाती श्रीनिवासन ने फीता काटकर किया। कल्पेश बागरेचा, हितेश सुथार, राकेश गुंदेशा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

हिन्दी साहित्य अकादमी की मासिक काव्य संध्या सम्पन्न

चेन्नई। स्थानीय हिन्दी साहित्य अकादमी की मासिक काव्य संध्या का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में बेंगलूरु के युवा साहित्यकार ब्रजेन्द्र मिश्र 'ज्ञासु' रहे। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन विजेन्द्र सिंह ने किया। हिन्दी साहित्य अकादमी चेन्नई की अध्यक्ष डॉ निर्मला मौर्य की गरियामयी उपस्थिति में सर्वप्रथम ब्रजेन्द्र मिश्र 'ज्ञासु' ने पुलवामा शहीदों को नमन करते हुए कार्यक्रम का आगाज किया, फिर अपनी देशप्रेम, प्रेम चतुर्दशी और बसंत पर केंद्रित अपनी चार प्रतिनिधि रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इसके अलावा साहित्यकार श्रीपद्मा कालीश्वरन, प्रणव तिवारी, पार्वती आर, गुरुमूर्ति एम, श्रीदेवी दुरई, कुमुद वासनिक ने अपनी रचना सुनाई। पार्वती आरजी ने धन्यवाद दिया।

भक्तों ने जीण माता मंदिर में श्रद्धा से चढ़ाए निशान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जीण माता सेवा समिति के तत्वावधान में फाल्गुन मास के अवसर पर निशान यात्रा का आयोजन किया गया। नेलमंगला केएमसी ग्लास फेक्ट्री में सर्वप्रथम निशान पूजन व ज्योत प्रज्वलित की गई।

सभी भक्तों को निशान वितरण किया गया और शोभायात्रा के साथ निशान यात्रा एलचागिरि स्थित जीण माता मंदिर के लिए रवाना हुई। मन्दिर पहुँच कर भक्तों ने माँ जीण भवानी को निशान चढ़ाए । इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजू भूतड़ा, सचिव आर. किशन सोलीवाल, अनूप अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, रवि अग्रवाल, मुकेश शर्मा ने व्यवस्था संभाली। दादी धाम प्रचार समिति ने निशान यात्रा के दौरान जलपान की सेवा की। इस मौके पर दादी धाम प्रचार समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया।

शिव भक्तों ने की मेट्टूर से आए शिवलिंग रथ की पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। शहर के शंकरनगर स्थित मुद्रा अपार्टमेंट निवासी अमित कुमार जैन और डॉ प्रियंका जैन ने अपने आवास भवन परिसर में मेट्टुर के शिव मंदिर से शिवलिंग रथ को आमंत्रित किया और उसका भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा के साथ रुद्राक्ष की माला से सुशोभित भव्य शिवलिंग का जल, गंगाजल, दूध, आदि से अभिषेक किया गया। तत्पश्चात फूल, माला, बेलपत्र, वस्त्र आदि से श्रंगार कर पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा अर्चना की। अमित और प्रियंका ने इस अवसर पर देवों के देव महादेव की

पूजा में शरीक होने अपने सभी परिजनों तथा प्रियजनों को आमंत्रित किया, भक्तों ने भी भगवान के अभिषेक, आरती और पूजा का लाभ लिया।

इस मौके पर अपार्टमेंट के ही अन्य निवासी प्रमोद गुप्ता, कविता गुप्ता, तारा खटेड़, ऋतु सिहोटिया आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। हरीश अग्रवाल ने कहा कि प्रभु सदैव अपने भक्तों का विशेष ख्याल रखते हैं । राजेश खटेड़ द्वारा शंखनाद से उत्पन्न ध्वनि ने पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा भर दी। संगीता फुलफगर, वंदना महेश्वरी, श्वेता जैन, सुनीता झाबक, उमा पोद्दार आदि ने डॉ प्रियंका के प्रति आभार प्रकट किया। पूजा संपन्न होने पर अमित जैन ने सभी दम्पतियों को पुजारी द्वारा माला तथा प्रभु प्रसाद भेंट करवाया।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हक्का बुक्का क्षेमा अभिवृद्धि संघ मालगाला द्वारा ध्वज स्तंभ उद्घाटन एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी देवी एवं क्रांतिवीर संगोली रायण्णा के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। एकत्रित रक्त का संग्रह बेंगलूरु रुधिर संस्थान ने किया। मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। संघ के अध्यक्ष रमेश एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

हमारा क्या है

चन्द लम्हों का फ़साना है हमारा क्या है,
सिर्फ़ दस्तूर निभाना है हमारा क्या है।

जो विरासत में मिला है जो कमाया हमने,
सब यहीं छोड़ के जाना है हमारा क्या है।

हम चले जाएंगे इक रोज़ लिए तनहाई,
आपके साथ ज़माना है हमारा क्या है।

साथ ये भी नहीं ले जाएंगे दे जाएंगे,
पास यादों का ख़जाना है हमारा क्या है।

शान शौकत ये रईसी है दिखावा यारब,
ख़र्च करना है कमाना है हमारा क्या है।

अपनी दीवानगी भी है किसी का रहमो करम,
जीस्त के नाम तराना है हमारा क्या है।

जब तलक जीना है रिश्तों में बँधे रहना है,
प्यास हर दिल की बुझाना है हमारा क्या है।

ज़िंदगी चन्द सवालों के सिवा कुछ भी नहीं,
साँस लेने का बहाना है हमारा क्या है।

लोग कुछ भी कहें ये सच है चमन में 'नवरंग',
राग मौसम का पुराना हूँ हमारा क्या है।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मिथिला महोत्सव के अवसर पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन, कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद और माँ दुर्गा सेवा समिति ने मिलकर पीपुल ट्री हॉस्पिटल और ओथो स्क्रायर के सहयोग से निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन बंट संघ सभागार में किया।

सेवा ब्रिगेड उत्तर के अध्यक्ष राममोहन पाठक और बिजेन्द्र ठाकुर ने बताया करीब 150 लोगों का नेत्र परीक्षण, ईसीजी, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन जांच, दांतों की जांच कर परामर्श दिया गया।

सेवा ब्रिगेड के सीईओ बिकाश कुमार, कोषाध्यक्ष राजमणि सिन्हा, उपाध्यक्ष धनंजय कुमार, कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष पवन मिश्रा और माँ दुर्गा सेवा समिति के सुनील ठाकुर, मणिकांत झा ने पीपुल ट्री हॉस्पिटल और ओथो स्क्रायर के प्रति आभार जताया।

फाउंडेशन के संस्थापक प्रवीण पांडेय ने बताया कि गत 3 वर्षों में 10 हजार से अधिक लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच कराई जा चुकी है।

आचार्य हस्ती प्रणीत पुस्तकों पर स्वाध्याय स्पर्धा का होगा आयोजन

चेन्नई। आचार्य हस्ती प्रणीत जैन धर्म का मौलिक इतिहास पुस्तक (खंड 1-4) पर आधारित साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग के संपादन में प्रकाशित जैन इतिहास के प्रसंग' (भाग 10-11) पुस्तकों पर अखिल भारतीय साधुमार्गी शांत क्रांति जैन श्राविका संघ की ओर से स्वाध्याय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। संघ की आईटी टीम के प्रभारी सचिन गादिया ने बताया कि इन पुस्तकों में प्रथम आचार्य सुधर्मा स्वामी और अंतिम केवली जम्बू स्वामी का जीवन प्रकाशित है।

इन पर 27-28 फरवरी को ऑनलाइन परीक्षा होंगी। रेखा-अशोक बोहरा द्वारा प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं के अलावा पचास सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि आचार्य हस्ती जन्म शताब्दी वर्ष में पीएस सुराणा की प्रेरणा से कवि डॉ. दिलीप धींग के संपादन में 40 भागों में जैन इतिहास के प्रसंग पुस्तक श्रृंखला का प्रकाशन हुआ था। उनकी अनेक पुस्तकों पर ऐसे ज्ञानवर्धक आयोजन हो चुके हैं।

तत्वज्ञान व तत्वविज्ञ परीक्षा के परीक्षार्थियों का किया सम्मान

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मण्डल गांधीनगर के तत्वावधान में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में जैन तत्वदर्शन परीक्षार्थियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कहा कि तत्त्व दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसे हमें अपने जीवन में उतरना चाहिए। इससे व्यक्ति का आत्मिक विकास होता है। गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी ने इस वर्ष 2025 में प्रत्येक व्यक्ति को पचीस बोल सीखना की प्रेरणा दी है। हमें ज्ञान का अर्जन होने पर उसका अहंकार ना हो बल्कि हम यह दे कि अपने ज्ञान से हम दूसरे का भी कल्याण कर सके।

जब भी हमें समय मिले, हम आपस में चर्चा परिचर्चा करते है। समय का सदुपयोग होता है जिससे ज्ञान का विकास होता रहता है। तत्वज्ञान की परीक्षा में 26 महिलाओं ने तथा तत्त्व विज्ञ में 4 महिलाओं ने परीक्षा दी। वर्ष 2023 में समता रांका ने तत्त्व विज्ञ परीक्षा में प्रथम वर्ष में प्रथम रैंक तथा वर्ष 2024 में भारती गादिया ने तत्त्व विज्ञ के तृतीय वर्ष में प्रथम रैंक प्राप्त किया। सभी पास हुए परीक्षार्थियों का प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मनित किया।

इस अवसर पर तेरापंथ महिला मण्डल अध्यक्ष रिजू डूंगरवाल, तेरापंथ सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विमल धारिवाल, पूर्व अध्यक्ष निर्मला सोलंकी ने सभी का सम्मान किया। संचालन केंद्र व्यवस्थापिका लता गादिया ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.